संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 17
पृष्ठ 8
गुरुवार
03 अक्टूबर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- महाराष्ट्रः गाय के सहार....
विचार- करवा चौथ से पहले चमकती ....
खेल- टिम साउदी ने भारत....

आदिवासियों के विकास से ही देश मजबूत होगा

पीएम ने दी 83300 करोड़ की योजनाओं की सौगात, बोले-

हजारीबाग, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड के हजारीबाग में 83,700 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि आज मुझे एक बार फिर झारखंड की विकास यात्रा में सहभागी बनने का सौभाग्य मिल रहा है। कुछ ही दिन पहले मैं जमशेदपुर आया था। जमशेदपुर से मैंने झारखंड के लिए सैकड़ों करोड़ की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया था।आज पूज्य बापू की जन्म जयंती है। आदिवासी विकास के लिए उनका विजन, उनके विचार हमारी पूंजी है। गांधी जी का मानना था कि भारत का विकास तभी हो सकता है, जब जनजातीय समाज का तेज विकास हो। मुझे संतोष है कि आज हमारी सरकार आदिवासी उत्थान पर सबसे ज्यादा ध्यान दे रही है। झारखंड के हजारों गरीबों को पीएम आवास योजना के तहत अपना पक्का घर मिला था। और अब कुछ ही दिनों के भीतर आज झारखंड में 80 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। ये योजनाएं आदिवासी समाज के कल्याण और उत्थान से जुड़ी हैं। पीएम मोदी ने कहा कि इसका लाभ देश के 5 करोड़ से ज्यादा आदिवासी भाई–बहनों को मिलेगा। झारखंड के आदिवासी समाज को भी इसका बहुत बड़ा फायदा होगा। मुझे खुशी है कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा की धरती से हो रही है। भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती के दिन यहां झारखंड से ही पीएम–जनमन योजना भी लॉन्च हुई थी। अगले महीने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस पर हम पीएम–जनमन योजना की पहली वर्षगांठ मनाएंगे। इस योजना के जरिए आज देश के उन आदिवासी इलाकों में भी विकास पहुंच रहा है, जो सबसे पीछे छूट गए थे। आज यहां पीएम–जनमन योजना के तहत भी करीब साढ़े 1,300 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास हुआ है। अभी मैंने यहां धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। इस योजना पर करीब 80 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत करीब 550 जिलों में 65,000 आदिवासी बहुल गांवों का विकास करने का अभियान चलाया जाएगा। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर झारखंड के साथ सौतेले व्यवहार का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यह बताना चाहिए कि राज्य की बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपये की राशि क्यों नहीं जारी की जा रही है। जयराम रमेश ने पोस्ट करते हुए पूछा कि आज जब प्रधानमंत्री झारखंड में हैं तब उन्हें इन सवालों के जवाब ज़रूर देने चाहिए। वह झारखंड का बकाया 1.36 लाख करोड़ क्यों नहीं जारी कर रहे हैं? प्रधानमंत्री झारखंड के 8 लाख लोगों को घर देने के अपने वादे को पूरा क्यों नहीं कर रहे हैं? वे इंजीनियरिंग कॉलेज कहां हैं जिनका प्रधानमंत्री ने 2014 में वादा किया था?

सीएम योगी का ऐलानः गांधी आश्रम में 108 दिनों के लिए खादी उत्पादों पर 25 प्रतिशत की छूट

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वदेशी उत्पादों के ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल की जरूरत पर जोर देते हुए बुधवार को खादी उत्पादों पर 108 दिनों के लिए 25 प्रतिशत की छूट देने की घोषणा की। आदित्यनाथ ने महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद गांधी आश्रम में एक सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा, गांधी आश्रमों में 108 दिनों के लिए खादी उत्पादों पर 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। उन्होंने लोगों से इस अवधि के दौरान खादी उत्पाद खरीदने की अपील भी की। स्वदेशी वस्तुओं को उपहार के रूप में देने के लिये प्रोत्साहित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, इससे अधिक रोजगार पैदा होंगे और आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को भी साकार करने में मदद मिलेगी। इससे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज अभियान के अनुरूप विकसित भारत की अवधारणा को साकार करने में मदद मिलेगी। त्यौहारों के दौरान विदेशी उत्पादों के बजाय स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। महात्मा गांधी को आजादी का महानायक बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र और मानवता के वास्ते उनके योगदान के लिए

● सीएम योगी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री को श्रद्धांजलि दी
● गांधी आश्रम में योगी ने चलाया चरखा, खादी उत्पाद खरीदने की अपील

देश उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त कर रहा है। आदित्यनाथ ने कहा, ऐसा माना जाता था कि ब्रिटिश साम्राज्य का सूर्य कभी अस्त नहीं होता था, लेकिन गांधी जी के नेतृत्व में स्वतंत्रता आंदोलन उनके सूर्य को अस्त करने में सफल रहा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर चरखा भी चलाया, भजन का आनंद लिया और खादी के कपड़ों की खरीदारी करके ऑनलाइन भुगतान भी किया। उन्होंने कहा कि गांधी जी के स्वच्छता अभियान को गति देने के लिए स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत की गई। उन्होंने कहा "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10 साल पहले जो मिशन शुरू किया था, वह आज नई ऊंचाइयों को छूता नजर आ रहा है। देश में 12 करोड़ से ज्यादा घरों में शौचालयों का निर्माण न सिर्फ स्वच्छता के प्रति उनकी गम्भीरता को दिखाता है, बल्कि महिलाओं के सम्मान का गौरव बढ़ाने का अभियान भी है।" उन्होंने कहा कि जो देश शक्तिशाली और सक्षम हुए हैं, उन्होंने सबसे पहले आत्मनिर्भरता का लक्ष्य हासिल किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और जापान ने अपनी उद्यमिता को बढ़ाया है। "वहीं, देश में प्रधानमंत्री मोदी का वोकल फॉर लोकल भी राष्ट्रपिता के स्वदेशी अभियान को नई ऊंचाई देने वाला कार्यक्रम है।" इस अवसर पर आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि शास्त्री गांधी के अनुयायी थे और उनके आह्वान पर देश के स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हुए थे। उन्हें वर्ष 1964 में प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री ने कहा "वर्ष 1965 में दुश्मन देश द्वारा थोपे गए युद्ध का भारत ने शानदार तरीके से जवाब दिया। यह देश के स्वभाव को दर्शाता है कि हम विश्व मानवता के कल्याण के लिए काम करेंगे, लेकिन अगर कोई हमारी सीमाओं पर अतिक्रमण करता है, तो हम उसका मुंहतोड़ जवाब देंगे। सीएम योगी ने कहा कि स्वदेशी जब तक भारत की आजादी का मंत्र नहीं बना था, तब तक आजादी की लड़ाई एकजुट होकर नहीं दिख रही थी। भारत की आजादी के आंदोलन के साथ महात्मा गांधी का जुड़ना और उसे स्वदेशी के साथ जोड़ने का जो अभियान रहा, इससे आजादी के लिए हर नागरिक के मन में गौरव व स्वावलंबन का भाव जागृत हुआ। खादी उसका प्रतीक बना। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वच्छता के प्रति उन अभियानों को ऊंचाई देना है, जिनकी प्रासंगिकता न केवल 100 वर्ष पहले, बल्कि आज भी उसी रूप में बनी है। जिस मिशन को पीएम मोदी ने दस वर्ष पहले प्रारंभ किया थाा, वह आज भी नई ऊंचाई को प्राप्त करता हुआ दिखाई दे रहा है। देश में 12 करोड़ से अधिक घरों में शौचालयों का निर्माण न केवल स्वच्छता के प्रति उनके आग्रह, बल्कि नारी गरिमा के गौरव को बढ़ाने का अभियान भी है। नारी सशक्तिकरण के बिना समाज को स्वावलंबी नहीं बना सकते। स्वच्छता, नारी सशक्तिकरण, स्वदेशी व स्वावलंबन के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के वचनों की प्रासंगिकता आज भी बनी है। सीएम योगी ने कहा कि जो भी देश शक्तिशाली व सामर्थ्यवान बने हैं, उन्होंने सर्वप्रथम आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किया। अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, जापान ने अपनी उद्यमिता को बढ़ाया है। वहीं देश में पीएम मोदी का श्वोकल फॉर लोकलश भी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के स्वदेशी अभियान को नई ऊंचाई प्रदान करने का कार्यक्रम है। सीएम योगी ने कहा कि नया भारत महात्मा गांधी के मूल्यों व आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त करते हुए निरंतर बढ़ रहा है। विश्वकर्मा जयंती व पीएम मोदी के जन्मदिन (17 सितंबर) से प्रारंभ हुए सेवा पखवाड़ा के तहत अनेक कार्यक्रम हुए हैं।

मोदी ने गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता अभियान में लिया हिस्सा

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गांधी जयंती के अवसर पर बुधवार सुबह स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। श्री मोदी ने नयी दिल्ली में एक सार्वजनिक स्थल पर झाड़ू लगाकर सफाई की। उनके साथ इस सफाई अभियान में युवाओं की एक टीम भी शामिल थी। श्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी एक तस्वीर भी साझा की और कहा कि "गांधी जयंती पर आज अपने युवा साथियों के साथ स्वच्छता आभियान का हिस्सा बना। मेरा आप सभी से आग्रह है कि आज आप भी अपने आसपास स्वच्छता से जुड़ी मुहिम का हिस्सा जरूर बनें। आपकी इस पहल से श्स्वच्छ भारतश की भावना और मजबूत होगी।"

गुरमीत 20 दिन के पेरोल पर जेल से रिहा

चंडीगढ़, 02 अक्टूबर (वार्ता) हरियाणा विधानसभा चुनाव से तीन दिन पूर्व बुधवार को साध्वियों के यौन शोषण व पत्रकार रामचंदर छत्रपति की हत्या के मामले में सजा भुगत रहे सिरसा डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत सिंह राम रहीम को 20 दिन के पेरोल पर रिहा किया गया। रोहतक की सुनरिया जेल में बंद गुरमीत सिंह जेल से रिहा होते ही उत्तर प्रदेश के बागपत स्थित आश्रम की ओर रवाना हो गया। इस बार पेरोल सशर्त है और चुनाव आयोग की शर्तों के अनुसार गुरमीत सिंह को हरियाणा से दूर रहना है व निजी तौर पर व सोशल मीडिया पर भी किसी भी राजनीतिक गतिविधि से दूर रहना है। पिछले चार सालों में गुरमीत सिंह 10 से अधिक बार लगभग ढाई सौ दिनों के लिए पेरोल/फरलो पर जेल से बाहर आ चुका है और अधिकांश बार यह हरियाणा व आसपास के राज्यों में किसी न किसी चुनाव के दौरान हुआ है।

दिल्ली पुलिस ने चीनी दूतावास के बाहर प्रदर्शन कर रहे 30 तिब्बतियों को हिरासत में लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को उस वक्त 30 तिब्बतियों को हिरासत में ले लिया, जब वे अपने देश में मानवाधिकारों की स्थिति के विरुद्ध स्थानीय चीनी दूतावास के बाहर प्रदर्शन करने जा रहे थे। एक प्रदर्शनकारी ने संवाददाताओं को बताया कि यह प्रदर्शन चीन में कम्युनिस्ट पार्टी के शासन की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमने चीन के दूतावास की ओर बढ़ रहे 30 तिब्बती प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है।

दिल्ली में सबसे बड़े ड्रग बस्ट में 2,000 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने आज राष्ट्रीय राजधानी में सबसे बड़े मादक पदार्थ भंडाफोड़ में लगभग 2,000 करोड़ रुपये मूल्य की 560 से अधिक कोकीन जब्त की है। पुलिस ने बताया कि मादक पदार्थ दक्षिण दिल्ली में बरामद किया गया और इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों को संदेह है कि यह एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट है जिसे नई दिल्ली में अफगान नागरिकों द्वारा चलाया जा रहा था। यह मादक पदार्थ भंडाफोड़ ऐसे समय में हुआ है जब कुछ ही दिन पहले दो अन्य अफगान नागरिकों को कथित तौर पर एक सिंडिकेट चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। दोनों को शनिवार को तिलक नगर में छापेमारी के दौरान पकड़ा गया। पुलिस ने दो आरोपियों – हाशिमी मोहम्मद वारिस और अब्दुल नायब के कब्जे से 400 ग्राम हेरोइन और 160 ग्राम कोकीन बरामद की। वारिस जनवरी 2020 से शरणार्थी के तौर पर भारत में रह रहे हैं। उनका परिवार अफ़गानिस्तान में है। भारत आने के बाद उन्होंने विकासपुरी में एक केमिस्ट की दुकान में हेल्पर के रूप में काम किया। वह ड्रग्स के कारोबार में तब आया जब उसके दोस्त ने उससे संपर्क किया और उसे दिल्ली और एनसीआर में विभिन्न लोगों से खेप एकत्र करने के लिए कहा है। पुलिस ने बताया कि वह आगे रिसीवर्स तक सामान पहुंचाता था। उसे हर डिलीवरी के लिए 100 डॉलर मिलते थे। पुलिस के मुताबिक, नायब भी एक अफ़गान नागरिक है और वह जनवरी 2020 में अपने पिता के साथ भारत आया था। वह एक पंजीकृत शरणार्थी है। उसके पिता को छोड़कर उसका पूरा परिवार अफ़गानिस्तान में रहता है। नायब की मुलाकात वारिस से विकासपुरी में एक केमिस्ट की दुकान पर हुई थी। पुलिस ने बताया कि वारिस ने नायब को विलासितापूर्ण जीवनशैली का झांसा देकर उसे नशीली दवाओं के कारोबार में धकेला।

दो युवकों के अपहरण के विरोध में बंद से इंफाल घाटी में जनजीवन प्रभावित

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में दो युवकों के अपहरण के विरोध में मेइती समूह की संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) द्वारा आहूत बंद के कारण इंफाल घाटी के पांच जिलों में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर, काकचिंग और थौबल जिलों में प्रदर्शनकारियों के सड़कों को अवरूद्ध किये जाने के कारण दुकानेंऔर अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे तथा वाहन सड़कों से नदारद रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि थौबल में महिलाओं ने मेला मैदान, वांगजिंग, यैरीपोक और खांगबोक में एनएच 102 को जाम कर दिया। मेला मैदान के पास महिलाओं ने सड़क पर प्रदर्शन किया, जबकि युवाओं ने वाहनों की आवाजाही रोकने के लिए टायर जलाए।

संस्थापितः 2001 संस्थापकः स्वर्गीय कन्हैया लाल, स्वर्गीय श्रीमती साधना

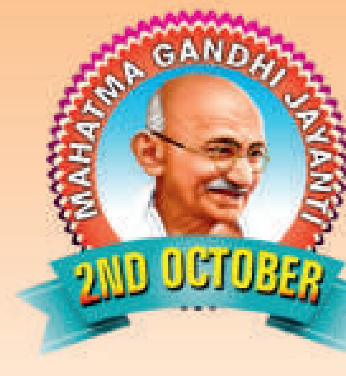

सभी देशवासियों को गांधी जयन्ती की हार्दिक शुभकामनाएं

हिन्दी दैनिक/हिन्दी साप्ताहिक ◆ संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित

संपादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

प्रबंध संपादक अरविन्द पाण्डेय

पंजीकृत कार्यालयः 289/238A, कर्नलगंज, (अनन्त भवन) प्रयागराज-211002

Mobile No.: 9005239332, 9450482227

E-mail: shaharsamta@gmail-com / Website: www-shaharsamta-com

इंटरमीडिएट से डीएलएड मामले में अपील करेगा पीएनपी, 1998 से योग्यता निर्धारित है स्नातक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोमवार को डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजूकेशन (डीएलएड) के दो वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश की अर्हता इंटरमीडिएट से बढ़ा कर स्नातक करने के राज्य सरकार के आदेश को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने प्रदेश सरकार के निर्णय को मनमाना और भेदभाव पूर्ण करार दिया था। इस आदेश के खिलाफ डीएलएड कराने वाली संस्था परीक्षा नियामक प्राधिकारी (पीएनपी) अपील करेगा। इसके लिए विधि विशेषज्ञों से राय ली जा रही है। डीएलएड के दो वर्षीय कोर्स के लिए पीएनपी ने 11 सितंबर को नोटिस जारी किया गया था। इसके लिए यूपी डीएलएड की वेबसाइट पर 18 सितंबर से आवेदन लिए जा रहे हैं। नौ अक्तूबर तक ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। उसके बाद मेरिट के आधार पर चयन होगा। चयनितों को 67 सरकारी कॉलेजों जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान (डायट) और करीब 2900 निजी कॉलेजों में प्रदेश मिलेगा। इस कोर्स के लिए सरकारी और निजी विद्यालयों में करीब सवा दो लाख सीटें हैं। दो वर्षीय कोर्स करने वालों को प्राइमरी विद्यालयों में शिक्षक की नौकरी मिलती है। 2019 से प्राइमरी विद्यालयों में शिक्षक की भर्ती नहीं आई, इसलिए हर वर्ष निजी विद्यालयों की हजारों सीटें खाली रह जाती हैं। इस कोर्स में प्रवेश के लिए वर्ष 1998 से योग्यता स्नातक निर्धारित की गई थी। उससे पहले इंटरमीडिएट से बीटीसी होता था। इस कोर्स के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हुई तो यशांक खंडेलवाल समेत कई लोगों ने अर्हता मामले को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की। बताया कि डीएलएड स्पेशल कोर्स (दिव्यागं बच्चों को पढ़ाने के लिए) की योग्यता इंटरमीडिएट निर्धारित है। इसलिए डीएलएड के लिए भी इंटरमीडिएट होना चाहिए। प्रदेश में एक ही कोर्स के लिए अलग– अलग अर्हता निर्धारित है। पीएनपी सचिव अनिल भूषण चतुर्वेदी ने बताया कि प्रदेश में डीएलएड स्पेशल कोर्स संचालित ही नहीं है। जब कोर्स ही नहीं है तो भेदभाव जैसी बात कहां। नेशनल काउंसिल फार टीचर्स एजुकेशन (एनसीटीई) के अनुसार डीएलएड की योग्यता स्नातक निर्धारित है। उसी आधार पर प्रवेश लिया जा रहा है। याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट में किस कोर्स का हवाला दिया है, उसकी जानकारी नहीं है। इस मामले में विधि विशेषज्ञों से राय ली जा रही है। जल्द ही इस आदेश के खिलाफ अपील की जाएगी।

राहुल सचान का कार्यकाल पूरा, पारिजात को क्षेत्रीय निदेशक का प्रभार

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय राहुल सचान का कार्यकाल पूरा हो गया है। आठ वर्ष के कार्यकाल के बाद मंगलवार को उन्होंने पदभार छोड़ दिया है। अब वह अपने मूल विभाग दूरसंचार में उप महानिदेशक के पद पर

नई दिल्ली में कार्यभार ग्रहण करेंगे। यहां का अतिरिक्त प्रभार मध्य प्रदेश (एमपीआर) के क्षेत्रीय निदेशक पारिजात दीवान को दिया गया है। आईटीएस अधिकारी राहुल सचान ने क्षेत्रीय निदेशक का कार्यभार 2016 में संभाला था। उस समय एमटीएस– 2016 की परीक्षा हो रही थी। उसी समय से ओएमआर आधारित व्यवस्था में बदलाव करते हुए ऑनलाइन परीक्षा शुरू कराई गई थी। परीक्षा ऑनलाइन होने के बाद से पेपर लीक होने का विवाद खत्म हो गया था। यह महज संयोग ही है कि अब उन्होंने कार्यभार छोड़ा तो एमटीएस– 2024 की परीक्षा हो रही है। उन्होंने बताया कि अपने आठ वर्ष के कार्यकाल में 100 से अधिक परीक्षाएं कराई। उन परीक्षाओं में छह करोड़ से अधिक उम्मीदवार शामिल हुए। इस अवधि के दौरान करीब एक लाख अभ्यर्थियों का चयन किया। भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए तकनीक का उपयोग किया। हाल ही में एआई की मदद से 400 साल्वर भी पकड़े हैं। शाम को कार्यालय में उन्हें भावभीनी विदाई दी गई।

चोर का माफीनामा: 'राधा-कृष्ण चुराए तो बेटा बीमार हो गया... बुरे सपने आ रहे हैं', लिखा- मूर्तियां वापस रख लीजिए

प्रयागराज। शृंग्वेरपुर के गऊघाट आश्रम मंदिर से चोरी हुई राधा–कृष्ण की अष्टधातु की मूर्ति आठ दिन बाद हाईवे के सर्विस मार्ग के बगल से बरामद हो गई। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस को मौके से चोर का माफीनामा मिला, जिसमें उसने अपनी अज्ञानता का उल्लेख करते हुए मूर्ति लौटाने की बात लिखी थी। लिखा–पढ़ी के बाद मूर्ति को आश्रम संचालक को सुपुर्द कर दिया गया। एक सप्ताह पूर्व शृंग्वेरपुर धाम के गऊघाट आश्रम स्थित श्रीराम–जानकी मंदिर का ताला तोड़कर अष्टधातु की 100 वर्ष पुरानी राधा–कृष्ण की मूर्ति चोरी हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में

भी लिया था, लेकिन मूर्ति का कोई सुराग नहीं मिला। मंगलवार की सुबह करीब 11.30 बजे हंडिया–कोखराज के सर्विस मार्ग पर आश्रम के सामने किसी ने मूर्ति देखी तो आश्रम के महंत को जानकारी दी। सूचना पाकर आश्रम के पुजारी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। मूर्ति के पास पुलिस को एक पत्र भी मिला। इसमें चोर ने पश्चाताप करने के साथ क्षमा मांगते हुए मूर्ति लौटाने की बात लिखी थी। पुलिस ने मूर्ति को आश्रम के संचालक फलाहारी महंत स्वामी जयराम दास महाराज को सुपुर्द कर दिया। महंत ने पूजन–अर्चन और गंगा जल से स्नान कराने के बाद मूर्ति को मंदिर में स्थापित कर दिया। महाराज जी प्रणाम, मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गई थी। अज्ञानतावश राधा–कृष्ण की मूर्ति गऊ घाट से चुरा ली थी। जबसे मूर्ति चुराई है तब से बुरे–बुरे सपने आ रहे हैं और मेरे बेटे की तबीयत भी बहुत खराब हो गई है। थोड़े पैसों के लिए मैंने बहुत गंदा काम किया है। मैंने मूर्ति को बेचने के लिए उसके साथ काफी छेड़छाड़ की है। अपनी गलती की माफी मांगते हुए मैं मूर्ति को रखकर जा रहा हूं। आपसे विनती करता हूं कि मेरी गलती को माफ करते हुए भगवान को फिर से मंदिर में रख दिया जाए। पहचान छिपाने के लिए मूर्ति की पालिश कराकर उसका आकार बदल दिया है। महाराज जी हमारे बाल बच्चों को क्षमा करते हुए अपनी मूर्ति स्वीकार करें।

संगम तट पर श्रद्धालुओं पितरों को किया तर्पण, विधि विधान से किया श्राद्ध

प्रयागराज। सर्वपितृ अमावस्या (पितृ विसर्जन) पर संगम तट पर श्रद्धालुओं ने पितरों का तर्पण किया। विधि विधान से श्राद्ध कर पितरों को विदा कर उनका आशीष लिया। भोर से ही संगम तट समेत गंगा और यमुना के तमाम घाटों पर भारी भीड़ उमड़ी।

इसके चलते जाम की स्थिति बन गई थी। सर्वाधिक भीड़ संगम तट पर रही। इसके अलावा दारागंज, बलुआ घाट, अरैल, रामघाट, काली घाट, सरस्वती घाट, श्रृंगवेरपुर, लालापुर, श्रृंगवेरपुर आदि घाटों पर भारी भीड़ रही। संततियों ने मोक्ष की कामना को लेकर विधि विधान से तर्पण और श्राद्ध किया। चावल, जौ का आटा, गाय का घी, तिल को लपेटकर पिंड बनाया गया। कुशा पर रखकर पितरों का आह्वान किया गया। गंगा जल में काला तिल मिलाकर जल अर्पित किया गया। इसके बाद यथाशक्ति ब्राह्मणों को भोजन और दान दिया गया। इसके पूर्व घाट पर ही क्षौर कर्म कराया। पितृ विसर्जन के चलते घाट पर मेले जैसा दृश्य रहा। शाम तक संगम समेत अन्य घाटों पर भीड़ रही।

ट्रिपलआईटी में फिर शुरू हो सकेगा एमएस इन साइबर लॉ कोर्स, 2014 में कर दिया गया था बंद

प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपलआईटी) में मास्टर ऑफ साइंस इन साइबर लॉ एंड इंफार्मेशन सिक्योरिटी कोर्स फिर से शुरू हो सकता है। इस कोर्स को शुरू करने के लिए पुरा छात्रों ने निदेशक से मांग की है। इस कोर्स को एक दशक पहले बंद कर दिया गया था। निदेशक ने भरोसा दिया कि फिर से इस कोर्स को शुरू किया जाएगा। ट्रिपल में बीटेक और एमटेक छह कोर्स संचालित हैं। एमबीए और पीएचडी कोर्स भी संचालित हैं। इसके अलावा तकनीक और कानून की पढ़ाई को जोड़कर मास्टर ऑफ साइंस इन साइबर लॉ एंड इंफार्मेशन सिक्योरिटी कोर्स बनाया गया था। इस कोर्स को 2004 में शुरू किया गया था। इसको जस्टिस यतींद्र सिंह, पंकज मिश्र, शारिक रिजवी, प्रो. एचएन तिवारी ने डिजाइन किया था। इसमें प्रवेश के लिए एलएलबी योग्यता थी। शुरुआत में इसकी 30 सीटें थी और डिप्लोमा कोर्स था। डिमांड अधिक होने के कारण सीटें बढ़ाकर 60 कर दी गई थी और इसको डिग्री कोर्स बना दिया गया। इसमें प्रवेश के लिए मारामारी होती थी। परीक्षा के जरिए प्रवेश मिलता था। कुछ वर्ष चलने के बाद कहा जाने लगा कि यह आईटी इंस्टीट्यूट है और यहां पर लॉ की पढ़ाई नहीं होनी चाहिए। कुछ प्रोफेसरों ने संस्थान में लॉ की पढ़ाई का विरोध किया। इसलिए 2014 से इस कोर्स को बंद कर दिया गया। पिछले हफ्ते संस्थान में पुरा छात्र सम्मेलन हुआ। उसमें इस कोर्स के कई पुरा छात्र आए। अब वह अच्छे पैकेज पर देश के अलग–अलग सेक्टर में नौकरी कर रहे हैं। पुरा छात्र मानस अग्रवाल, पंकज कुमार, नागेंद्र शर्मा आदि ने निदेशक प्रो. मुकुल शरद सुतावाने से इस कोर्स को शुरू करने की मांग की। बताया कि इस कोर्स को करने वाले अधिकतर छात्रों को जॉब मिली है। खासकर बैंक और इंफार्मेशन सिक्योरिटी से जुड़े विभागों और निजी कंपनियों में छात्र काम कर रहे हैं। छात्रों ने कहा कि इस कोर्स को शुरू करने में जो भी सहयोग चाहिए, वह हम करने को तैयार हैं। इस पर निदेशक ने आश्वस्त किया कि फिर से कोर्स की शुरुआत कराई जाएगी।

खेलते समय फूट गया गुब्बारा, तीन वर्ष के मासूम की गई जान

प्रयागराज। लालगोपालगंज में बुधवार को दर्दनाक हादसा हो गया। खेलते समय गुब्बारा फटने से तीन वर्ष के मासूम की दर्दनाक मौत हो गई। विवाहिता अपने बच्चे को लेकर मायके आई थी। फटने के बाद गुब्बारे का कुछ अंश श्वांस नली में फंस गया। इससे वह तड़पने लगा। आनन फानन परिजन अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम सा मच गया है। जिस गुब्बारे से फूदक–फुदक कर मासूम खेल रही थी, वही उसकी मौत का कारण बनेगा, ऐसा किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था। तीन वर्ष की सायरा की जान गुब्बारे के फटने और श्वास नली में जा चिपकने के कारण चली गई। घटना नवाबगंज थाना क्षेत्र के लालगोपालगंज स्थित मोहल्ला इमामगंज की है। उतरांव थाना क्षेत्र के फतूहां गांव निवासी नाज बानो पत्नी इमरान अहमद कुछ दिन पूर्व अपनी एकलौती बेटी सायरा (3) को लेकर मायके आई थी। बुधवार को दिन में करीब ग्यारह बजे उसके नाना ने नतिनी को खेलने के लिए गुब्बारे लाकर दे दिया। मासूम गुब्बारा पाकर उससे खेल रही थी, तभी अचानक गुब्बारा फूट गया और मासूम जमीन पर गिर कर तड़पने लगी। उसके मुंह से झाग निकलता देख घर वाले बदहवास होकर पास स्थित निजी अस्पताल ले गए। जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। डाक्टर ने कहा गुब्बारे का अंश सांस की नली में फंसने से उसकी सांस थम गई।

पीडीए ने 2024 में नक्शा पास करके कमाए 42 करोड़ 500 से अधिक नक्शा इस बार प्राधिकरण ने सितंबर तक किया पास, पिछले वर्ष पूरे साल में कमाए थे 32 करोड़

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण की तरफ से अवैधा निर्माण के खिलाफ लगातार हो रही कार्रवाई का असर अब पीडीए की कमाई पर भी दिखने लगा है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने इस बार सिर्फ नौ माह में ही 500 से अधिक नक्शा पास करके 42 करोड़ रुपये कमा लिए है। पिछले साल के मुकाबले यह दस करोड़ अधिक है। जबकि अभी साल खत्म होने में करीब तीन माह का समय बाकी है। शहर में हो रहे अवैध निर्माण के खिलाफ पीडीए की तरफ से अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसमें सीलबंदी से लेकर अवैध निर्माण तोड़ने की कार्रवाई शामिल है। ऐसे में लोगों में भी अवैध रूप से बगैर नक्शा पास कराए निर्माण कराने से होने वाले नुकसान को लेकर जागरूकता आयी है। पीडीए के अधिकारियों के मुताबिक शहर में आवासीय और व्यवसायिक भवनों के निर्माण का नक्शा पास कराने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण की ओर से भवनों के नक्शा पास कराने के लिए विशेष रूप से शिविर का आयोजन प्रत्यक गुरुवार को आयोजित किया जाता है। ऐसे में लोगों को ऑनलाइन आवेदन के बाद नक्शा पास कराने में होने वाली समस्याओं से निजात मिलने लगी है। शिविर में तहसील और नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल होते है। जिससे लोगों को दोनों ही जगहों से एनओसी लेने में आने वाली दिक्कत का भी समाधान शिविर में ही मिल जाता है। नक्शा पास कराने वालों की संख्या में होने वाला इजाफा का बड़ा कारण यह भी है।

डिप्टी सीएम केशव ने गांधी जयंती पर किया श्रमदान, संगम क्षेत्र और हनुमान मंदिर में की सफाई

प्रयागराज। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती जनपद में धूमधाम से मनाई गई। विभिन्न राजनैतिक, व्यापारिक और गैर सरकारी संस्थाओं की ओर से महात्मा गांधी को नमन किया गया। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने संगम क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया। इसके बाद सिविल लाइंस हनुमान मंदिर में साफ सफाई की। इस दौरान महापौर गणेश केसरवानी, भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र समेत पार्टी के बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। केशव ने संगम तट पर सफाई करने वाले सफाईकर्मियों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया। साथ ही संगम में आने वाले तीर्थ यात्रियों से कूड़ा–करकट, पॉलिथीन इत्यादि का प्रयोग न करने का अनुरोध भी किया। साथ ही बालसन चौराहा पर स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। साथ ही मेडिकल कॉलेज चौराहे पर लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया। केशव ने सिविल लाइंस हनुमान मंदिर परिसर में महात्मा गांधी जी की जयंती पर आयोजित सेवा पखवाड़ाश के अंतर्गत श्स्वच्छता अभियानश में सम्मिलित होकर साफ–सफाई की। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर अपने आस–पास स्वच्छता अभियान चलाकर सेवा पखवाड़ा में भाग लेने की लोगों से अपील की। स्वच्छ भारत–स्वस्थ भारत के संकल्प को सफल बनाने का भी आह्वान किया। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद ने कल्याण देवी जाकर भाजपा की पूर्व विधायक नीलम करवरिया को श्रद्धांजलि दी। उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। पूर्व विधायक उदयभान करवरिया समेत परिवार के अन्य सदस्यों को ढांढस बंधाया।

इंटर के 11,460 मेधावियों को उच्च शिक्षा के लिए दी जाएगी छात्रवृत्ति, जारी की गई सूची

प्रयागराज। यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट के 11,460 मेधावियों को उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति दी जाएगी। इसकी सूची यूपी बोर्ड ने जारी कर दी है। उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने के बाद नेशनल

स्कालरशिप पोर्टल पर आवेदन करेंगे तो उन्हें छात्रवृत्ति मिलेगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की योजना सेंट्रल सेक्टर स्कीम ऑफ स्कालरशिप फॉर कालेज एंड यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स के अंतर्गत उच्च शिक्षा के लिए मेधावियों को छात्रवृत्ति दी जाएगी। स्नातक तक उन्हें प्रति वर्ष 12 हजार और परास्नातक के लिए 24 हजार रुपये छात्रवृत्ति मिलेगी। इसमें इंटरमीडिएट उत्तीर्ण अभ्यर्थी ही पात्र होंगे। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार वर्ष 2024 में इंटरमीडिएट विज्ञान, कला और वाणिज्य वर्ग के टॉ–20 मेधावियों की सूची बनाई गई है। ऐसे मेधावी कुल 11,460 हैं। इनकी सूची उच्च शिक्षा विभाग को भेज दी गई है। यह मेधावी बीए, बीएससी, बीकॉम या अन्य किसी स्नातक कोर्स में पढ़ाई करेंगे तो इस योजना से छात्रवृत्ति मिलेगी। छात्रवृत्ति पाने के लिए उन्हें नेशनल स्कालरशिप पोर्टल https://scholarships-gov-in पर आवेदन करना होगा। ऑनलाइन आवेदन की स्वीकृति संबंधित कॉलेज से होगी। उसके बाद उनके खाते में धनराशि भेज दी जाएगी।

डॉ. कार्तिकेय की मौत के बाद से बंद है आर्थो की ओटी

प्रयागराज। डॉ. कार्तिकेय श्रीवास्तव की मौत को लेकर आर्थो विभाग की ओटी सोमवार से बंद है। मरीजों को उम्मीद थी कि अगले दिन ऑपरेशन होगा। लेकिन मंगलवार को ओटी की साप्ताहिक बंदी होने के कारण अब बुधवार से ऑपरेशन होगा। बताया जाता है कि आर्थो में ज्यादा ऑपरेशन होते हैं इसलिए उपकरणों की बेहतर सफाई के लिए मंगलवार को ओटी बंद रहती है। ओटी के उपकरणों को स्टील के बॉक्स में भरकर स्टीम मशीन में गर्म करके बैक्टीरिया रहित किया जाता है। ओटी में के प्री–ऑपरेशन कक्ष में सभी बेड खाली हैं। जबकि वार्ड में ऑपरेशन के लिए मरीज इंतजार कर रहे हैं। घटना शनिवार को हुई थी उसके बाद से कोई ऑपरेशन नहीं हुआ।

समय से जांच कराने पर हृदय रोग के उपचार में आसानी : डॉ. पीयूष

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल परिसर में स्थित राजकीय नर्सिंग कॉलेज में मंगलवार को विश्व हृदय दिवस के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर जागरूकता रैली, नाटक और पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गयी। नर्सिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. श्याम सुंदर शर्मा ने हृदय की बीमारियों और उसके निदान के प्रति जागरूक किया। मुख्य अतिथि हृदय रोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. पीयूष सक्सेना ने कहा कि हृदय रोग की बीमारी की समय से जांच कराना जरूरी होता है। सही समय से जांच होने पर उपचार आसान हो जाता है। इस अवसर पर उप–प्रधानाचार्य डॉ. श्वेता रानी, शिक्षिका ज्योति श्रीवास्तव, मोनिका पाल, भावना सिंह, नीलम पाल, शाहीन जहान व छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

पैसों विवाद में पूर्व ब्लॉक प्रमुख हुआ था जानलेवा हमला पुलिस ने महिला समेत पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार, 29 सितंबर को हुई सलेमपुर सर्विस रोड पर हुई थी घटना

प्रयागराज। प्रयागराज के उतरांव थाना क्षेत्र में रहने वाले पूर्व ब्लॉक प्रमुख पर हत्या के प्रयास मामले में पुलिस ने एक महिला समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में प्रयोग हुई तीन मोटरसाइकिल, चार मोबाइल फोन, एक तमंचा और कारतूस बरामद किया है। पूछताछ में पता चला कि पूर्व ब्लॉक प्रमुख राधेश्याम पटेल और अभियुक्ता सुनीता देवी के बीच पैसों की लेन देन को लेकर विवाद था। हत्या के प्रयास मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस की तरफ आयोजित पत्रकार वार्ता में पुलिस ने बताया कि उतरांव थाना क्षेत्र के महरूपुर के रहने वाले पूर्व ब्लॉक प्रमुख राधेश्याम पटेल 29 सितंबर को अपने ड्राइवर के साथ बहरिया से फूलपुर वापस अपने घर लौट रहे थे। करीब दोपहर एक बजे सचिन नाम का युवक एक अन्य व्यक्ति के साथ अनिल कुमार पटेल की गाड़ी को ओवरटेक कर रोक लिया और उनके पेट में गोली मार दी। मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया और आरोपियों की तलाश में जुट गई। पुलिस महिला समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी करन कुमार, हिन्देश कुमार, करन भारतीया, शिवजीत भारतीया और सुनीता देवी को डिहवा व महरुपुर से गिरफ्तार किया। पूछताछ में अभ्युक्तों ने बताया कि पूर्व ब्लॉक प्रमुख राधेश्याम पटेल और अभियुक्ता सुनीता देवी के बीच पैसों की लेन देने को लेकर पुराना विवाद था। इसको लेकर ही अभ्युक्तों ने हत्या की साजिश रची थी। पुलिस ने बताया कि तमंचे से गोली मारने के आरोपी सचिन पुत्र सत्यनाराण की गिरफ्तारी अभी होनी है।

जंक्शन पर आरपीएफ ने पकड़ी अवैध शराब

प्रयागराज। बिहार में शराब बंदी के बाद अब शराब तस्कर सक्रिय हो गए हैं। दूसरे राज्यों से युवा ट्रेनों के जरिए शराब ले जाकर बिहार में ऊंचे दाम पर चोरी छिपे बेचते हैं। मंगलवार को जब आरपीएफ की टीम ने दो युवकों को पकड़ा तो दोनों ने अपना जुर्म कुबूल किया। आरपीएफ और जीआरपी टीम ने संयुक्त अभियान चलाकर मंगलवार को प्रयागराज जंक्शन से 28 हजार रुपये कीमत की अवैध शराब पकड़ी है। आरपीएफ पोस्ट के उप निरीक्षक गौरव अपनी टीम व जीआरपी के उप निरीक्षक मो. गुलाम खान के साथ प्लेटफॉर्म नंबर चार–पांच पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान शाम लगभग चार बजे संदिग्ध लोग दिखे। इनके पास जब तलाशी ली गई तो 159 टेटरा पैक मिला। बाजार में कीमत 28 हजार रुपये बताई जा रही है। शराब के साथ बेगूसराय बिहार के 28 वर्षीय कारी शर्मा, 20 वर्षीय राहुल कुमार को पकड़ा गया। कारी के पास 96 और राहुल के पास 63 टेटरा पैक मिले हैं। दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। दोनों ने बताया कि वो उत्तर प्रदेश और दिल्ली से शराब ले जाकर बिहार में चोरी छिपे बेचते हैं।

आरेडिका में बच्चों ने मानव श्रृंखला बनाकर दिया स्वच्छता का संदेश

रायबरेली।रतीय रेलवे ने स्वच्छ भारत मिशन की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'स्वभाव स्वच्छता – संस्कार स्वच्छता' थीम के तहत 'स्वच्छता ही सेवा' 2024 अभियान की शुरुआत की है। इसी संदर्भ में आरेडिका द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मंगलवार को आरेडिका के हॉकी स्टेडियम में केन्द्रीय विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने ''एमसीएफ एसएचएस 2024'' की मानव श्रखला बनाकर स्वच्छता के महत्व का संदेश फैलाया। स्वच्छता के कार्यक्रम में और मजबूती प्रदान करने के लिए स्काउट एवं गाइड टीम का दो

दिवसीय जिला स्तरीय रैली सैंट्रल पार्क में आज प्रारम्भ हुई इसमें कैंप क्राफ्ट, ड्राइंग, मेहंदी, कुकिंग, वेस्ट आऊट ऑफ वेस्ट रंगोली, गेम, कैंफ फायर, नुक्कड़ नाटक, डांस कंप्टीशन, कार्यक्रम किया गया साथ ही स्काउट गाइड के बच्चों द्वारा सेंट्रल पार्क में मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता के महत्व का संदेश दिया गया। स्काउट गाइड के बच्चों द्वारा 2 अक्टूबर को सर्व धर्म प्रार्थना किया जायेगा एवं उसके बाद महाप्रबन्धक प्रशांत कुमार मिश्रा के नेतृत्व में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में स्वच्छता प्रोग्राम एवं उसके बाद स्वच्छता जागरूकता के लिए घर घर रैली के माध्यम से स्काउट एवं गाइड टीम के द्वारा अभियान किया जायेगा

आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा ने स्वच्छता को सामुदायिक जिम्मेदारी बताया। उन्होंने सभी से नियमित रूप से स्वच्छता का पालन करने का आह्वान किया और विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की तथा 2 अक्टूबर को गांधी जी 155वीं जयंती के अवसर सभी को साथ मिलकर स्वच्छ भारत दिवस मनाने एवं श्रमदान कर स्वच्छता के इस मुहिम को सफल बनाने का आह्वान किया। 1 अक्टूबर को हुए स्काउट एवं गाइड के कार्यक्रम मे कामेश्वर पासवान मुख्य जिला आयुक्त एवं मुख्य सामाग्री प्रबंधक, एन. के. वर्मा जिला आयुक्त एवं डिप्टी सीएमई, एल.बी. सिंह मौर्या उप मुख्य इंजीनियर, अनिल कुमार श्रीवास्तव जनसंपर्क अधिकारी, अमित कुमार, एएक्सईएन, आदित्य प्रकाश जिला सचिव, श्रीमती शबीना बानो, जिला संगठन आयुक्त गाइड एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

स्वच्छता हमारे जीवन का संस्कार: मनीष

करछना। स्वच्छता बापू के सपनों वाले स्वतंत्र भारत का एक मुख्य अभियान और लक्ष्य था।यही स्वच्छता हमारे सुखद जीवन का संस्कार है।आज हम सबको मिलकर शपथ लेने की जरूरत

है कि इस अभियान को उनकी स्मृतियों को सच्ची श्रद्धांजलि के रूप में अपना कर पूरे संकल्प के साथ आगे बढ़ें।यह बातें महात्मा गांधी जी एवं शास्त्री जी की पावन जयन्ती के मौके पर रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज में ध्वजारोहण के उपरांत प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने कही। उन्होंने शास्त्री जी के कृतित्व और व्यक्तित्व को नमन करते हुए उनकी सोच वाले सम्बृद्ध भारत के लिए एकजुटता और अखण्डता के प्रति सभी का आवाहन किया। शिक्षकों ने भी बापू और शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर स्वच्छता का संकल्प लिया। इस दौरान बापू जी के विचारों पर चर्चा भी की गई।लोकगायिका मोहिनी श्रीवास्तव ने बापू के मनभावन भजन प्रस्तुत कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।इस मौके पर मौजूद सभी शिक्षक,कर्मचारियों ने राष्ट्रीय एकता,अखण्डता का संकल्प लिया।

नगर निगम, प्रयागराज द्वारा स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता-स्वच्छता ही सेवा अभियान

प्रयागराज सआज नगर निगम, प्रयागराज द्वारा स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता–स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत प्रातः 07 बजे सुभास चौराहा सिविल लाइन्स से अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क गेट संख्या 03 तकभव्य जनजागरूकता रैली का आयोजन कराया गया। रैली का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और प्रयागराज शहर को स्वच्छ प्रयागराज बनाने के लिए प्रोत्साहित करना था। रैली का आयोजन सुभास चौराहा सिविल लाइन्स सेकराया गया जिसमेंमहापौर, पार्षदगण,नगर आयुक्त, समस्त अपर नगर आयुक्त एवं नगर निगम के अधिकारियों, स्वयंसेवी संगठनोंए एन०सी०सी कैडेट, स्थानीय निवासियों और समाजसेवियों द्वारा उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया

गया। रैली को संबोधित करते हुए महापौर द्वारा यह अपील की गयी की स्वच्छता केवल एक दिन का कार्य नहीं है यह हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। हम सभी को मिलकर अपने शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने का संकल्प लेना चाहिए। इस रैली के माध्यम से हम हर नागरिक तक स्वच्छता का संदेश पहुंचाना चाहते हैं।इस अवसर पर नागरिकों को स्वच्छता की आदतअपनाने, कूड़ा–कचरा इधर–उधर न फैलाने, सिंगल–यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचने और कचरे के सही प्रबंधन के बारे में जागरूक किया गया। रैली का समापन अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क गेट संख्या 03 पर हुआ जहां सभी ने एक साथ स्वच्छता की शपथ दिलायी गयी। रैली के सफल आयोजन पर नगर आयुक्त द्वारा सभी प्रतिभागियों और सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए शहर को स्वच्छ बनाये रखने हेतु नगरवासियों को धन्यबाद ज्ञापित किया गया।

भगवान महावीर स्वामी के 2550 वे निर्वाण महोत्सव वर्ष में विश्व शांति के लिए प्रयागराज जैन समाज ने निकाली मार्च।

प्रयागराज समहात्मा गांधी के आध्यात्मिक गुरु श्रीमद राजचंद्र जी थे, जो एक जैन गुरु थे, बापू ने अहिंसा की प्रेरणा उन्ही से ली थी। नगर में स्वच्छता अभियान को जागरूक एवं शांति की सद्भावना के लिए जैन मिलन और पंचायती सभा प्रयाग ने इस

मार्च का आयोजन जीरो रोड इस्थित जैन मंदिर से शुरू कर के बहादुरगंज– घंटाघर होते हुए वापस जैन मंदिर पहुंचे जिसमे जैन समाज की महिलाएं,पुरुष एवं सभी युवाओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। इस कार्यक्रम में विकास जैन, राकेश जैन, महेंद्र जैन, अखिलेश जैन टप्पन, धर्मचंद्र जैन, अंकित जैन, प्रद्युमन जैन, अनूप जैन, अंकुर जैन, प्रदीप जैन, दिनेश जैन(अध्यक्ष), निर्मल जैन, राजेश जैन (मंत्री), आदि मौजूद थे। ये जानकारी अखिलेश चंद्र जैन द्वारा प्राप्त हुई।

कोर, में ''स्वच्छता ही सेवा अभियान ''(SHS.2024)'' का समापन

प्रयागराज सकेन्द्रिय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज में दिनांक 14 सितंबर 2024 से चल रहे ''स्वच्छता ही सेवा अभियान (–2024)'' के अंतर्गत श्री एस. एस. नेगी–मुख्य बिजली इंजी. (–व) की अध्यक्षता में दिनांक 02॥10॥2024 को समय 08 बजे से 09 बजे तक कार्यालय परिसर में स्वच्छता संबंधी श्रमदान किया गया। इस कार्यक्रम में श्री उपेंद्र कुमार–मुख्य बिजली इंजी. एवं ... संचार इंजी० ... भारतीय रेल ... की सभी ... अभियान ... सभी विभागों ... सितंबर को ... त्रिवेणी विहार, ... अधिकारियों ... द्वारा पौध ... /2024 को कर्मचारियों के बच्चों हेतु ड्राइंग पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनांक 25/09/2024 एवं 26/09/2024 को कोर के रेलवे कॉलोनियों की सफाई की गई। दिनांक 27/09/2024 से 29/09/2024 को स्वच्छ नीर अभियान के तहत कोर कार्यालय के ओवर हेड टैंक, वाटर कूलर, वाटर फिल्टर यंत्र की विधिवत सफाई एवं पीने योग्य पानी के गुणवत्ता की जाँच की गई। दिनांक 30/09/2024 से 01/10/2024 को स्वच्छ प्रसाधन कार्यक्रम के तहत कोर कार्यालय, रेस्ट हाउस एवं क्लब के प्रसाधनों की सफाई, पानी की उपलब्धता, लीकेज टेस्ट एवं पानी के निकासी की जाँच की गई। कोर, हमेशा से स्वच्छ पर्यावरण हेतु सतत प्रयत्नशील रहा है।

जीवन में हर ओर, अराजकता की आँधी। तस्वीरों में आज, दिखे कुछ चिंतित गाँधी।।

गांधी जयंती पर बुंदेलखंडी में कवि गोष्ठी का आयोजन

मिर्जापुर हिन्दी दिवस पखवाड़े के समापन के अवसर पर स्वामी विवेकानंद शिक्षा समिति बुंदेलखंडी में गांधी जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी एवं कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार गणेश गंभीर ने की। संचालन भोजपुरी के जाने–माने कवि लल्लू तिवारी ने बड़ी कुशलता से किया। अपने वक्तव्य में गणेश गंभीर ने महात्मा गाँधी को

बहुआयामी व्यक्तित्व का धनी बताया। लल्लू तिवारी ने कहा कि गांधी जी के साथ पूरा देश खड़ा था। भोलानाथ कुशवाहा ने गांधी जी के दूरदृष्टि की चर्चा की। काव्य गोष्ठी में गणेश गंभीर ने सुनाया– श्जीवन में हर ओर,अराजकता की आँधी। तस्वीरों में आज, दिखे कुछ चिंतित गाँधी।श, लल्लू तिवारी ने सुनाया– श्समझना है जरा मुश्किल तुम्हारी इन अदाओं को। नहीं बदनाम होता है कोई बदनाम की खातिर।श, भोलानाथ कुशवाहा ने सुनाया– श किसने घर फूँका यहाँ, ले कबीर का नाम। अपना मठ निर्मित किया, यही सयानों काम।श, केदार नाथ सविता ने पढ़ा – श्गांधी तुमने आजादी दिलायी, आजादी के बाद की कुर्सी की लड़ाई, हमें खुद लड़नी थी, उसमें गांधी तुम्हारा क्या काम थाश, गुमनाम मिर्जापुरी ने सुनाया– श्दो रतन दिये दो अक्टूबर ने, नाज बने इंसान के, ऐसे बन्दे बहुत ही कम हैं, धरती पे भगवान के।श, नन्दिनी वर्मा ने सुनाया– श्चलो हम देश वाले गीत गायें, आज मिलकर के, कि हर बेजार को जीना सिखायें, आज मिलकर के।श, श्याम अचल ने सुनाया– श्बोझ कंधे का कैसे गया हो उतर, अपने पैरों पर बेटा खड़ा हो गया।श कार्यक्रम के संयोजक स्वामी विवेकानंद शिक्षा समिति के प्रबंधक अनुज श्रीवास्तव ने अन्त में आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शामिल खास लोगों में प्रशांत श्रीवास्तव, हर्ष कुमार सिंह, मोनिका आदि थे।

'हास्य नाटक बिके हुए आदमी का शानदार एवं सफल मंचन'

प्रयागराज।दिनेश भारती लिखित और वरिष्ठ रंगकर्मी शैलेश श्रीवास्तव निर्देशित हास्य व्यंग्य नाटक षबिके हुए आदमीष का सफल मंचन ३० सितम्बर २०२४ को स्थानीय रानी रेवती सरस्वती विद्या निकेतन इन्टर कॉलेज में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध समाजसेवी सरदार मक्खियत सिंह बाजवा ने की। मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो.के.पी.सिंह एवं विशिष्ट आतिथि शिवकुमार पाल, शिव कुमार गुप्त, बांके बिहारी पाण्डेय तथा कवि–कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा की गरिमामई उपस्थिति रही। सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। नाटक बिके हुए आदमी दहेज के लोभ में ससुराल में प्रताड़ित की जाने वाली बहुओं पर एक तीखा व्यंग्य था। जिसमें इस समस्या की तस्वीर को उल्टा करके दिखाया गया। जिसमें दहेज के लोभ में कम पढ़े दूल्हे को घर जमाई बना कर खूब सताया जाता है बाद में पर्दा उठता यह सब दहेज लोभियों को सबक देने के लिए स्वांग किया गया था और समाज में शिक्षा को बढ़ावा देना ही दहेज का विरोध नाटक का मुख्य उद्देश्य रहा। नाटक का सफल संयोजन वरिष्ठ रंगकर्मी सुबोध सिंह ने किया व भीखम की केन्द्रीय भूमिका निभाई, बंसी की भूमिका में सर्वेश प्रजापति ने हास्य और व्यंग्य के पंचेज डाले। आदित्य सिंह ने बिरजू, रति नाथ सिंह ने गोसाई गाय वाले,सरगम लता, श्रीया सिंह और इशिता श्रीवास्तव, संजय यादव ने अपने अभिनय से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मंच निर्माण में अभिषेक सिंह ,रतिभान सिंह , आदित्य सिंह, वस्त्र विन्यास श्रीमती अर्चना शैलेश, शादमा खघतून, रुप सज्जा हामिद अंसारी, ध्वनि संचालन अर्पिता अग्रवाल, प्रकाश संचालन अनूप श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ।

गुब्बारे ने ली मासूम की जान

प्रयागराज। जनपद के नवाबगंज थाना क्षेत्र के लालगोपालगंज के इमामगंज में बुधवार को गुब्बारा फटने से इमरान की तीन वर्षीय पुत्री सायरा की जान चली गयी। वह अपने नानी के यहां आई थी। गुब्बारा फटकर उसका कुछ अंश श्वांस नली में जाकर फंस गया। जब तक डॉक्टर के पास ले जाते मासूम की सांसे थम चुकी थी।

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के उपलक्ष में सेवा पखवाड़ा

लखनऊ, एजेंसी। नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग द्वारा महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के उपलक्ष में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने की तथा संयोजन व संचालन एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी ने किया, कार्यक्रम में युवा संवाद के माध्यम से कैडेट सृष्टि नायक, अरुंधति यादव, अंजलि बाजपेई तथा छवि पांडे ने गांधी जी और सादगी की मिसाल लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवन दर्शन के साथ–साथ स्वच्छता पर चर्चा की सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आत्मनिर्भर भारत पर संभाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 11 कैडेट्स लक्षिका किशोर, अवंतिका गुप्ता रानी गुप्ता, खुशी सिंह, प्रियांशी कसेरा, सृष्टि नायक, कशिश गौतम, अपूर्वा पाठक, इशिता दुबे, सादिया जहां और वंशिका शर्मा ने प्रतिभाग किया तथा भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किया जा रहे प्रयास तथा संभावनाओं पर चर्चा की निर्णायक मंडल प्रो.संगीता कोतवाल एवं प्रो. मंजुला यादव द्वारा घोषित परिणाम इस प्रकार रहा।

'मलाक हरहर में कवि गोष्ठी का आयोजन'

प्रयागराज । दो अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा श्रद्धेय लालबहादुर शास्त्री की जयन्ती के अवसर श्रृंगारपुर मलाक हर–हर में वरिष्ठ कवि रामकुमार कुशवाहा के निवास पर बूढ़े ,बच्चे ,जवानों से भरी भीड के बीच ग्रामीण वातावरण में एक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ कवि केशव सक्सेना ने की । मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि रामकुमारकुशवाहा तथा विशेष अतिथि दशरथ लाल पाल रहे ।संचालन कवि अनिल कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया ।सर्वप्रथम मां सरस्वती तथा दोनों सपूतों के चित्र पर फूलमाला अर्पित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अनिल कुमार श्रीवास्तव की सरस्वती वन्दना से शुरु हुआ–

वीणापाणि कृपा कर दे
आपकी कृपा से ही गीत सृजन होगा। कवि रामकुमार कुशवाहा ने भी मां पर गीत पढा ––

हे मां निज निज करुं प्रणाम। आशीर्वाद बना रहे जग में हो मेरा नाम।

कवि केशव सक्सेना ने कविता पढ़ी––

आज दो अक्टूबर को हम सब मिल। दो सपूतों की जयन्ती मना रहे हैं। शत शत बार इनको नमन करके हृदय से श्रद्धा सुमन चढा रहे हैं।

कवि रामकुमार कुशवाहा ने गीत पढा ––

हे धोती कुर्ता भारत की शान। यही बुजुर्गो का है निशान । देश विदेश में नाम कमाये ।
हे भारत की शान ।
घर हो या पंचायत
बने दुल्हन गुणगान।
पहने गांधी, शास्त्री,पटेल
दिये भाषण अटल जी
ऐसेम्बली मैदान ।

कवि अनिल कुमार श्रीवास्तव ने गीत पढा–

दोस्तो पहले देश था गुलाम।
होता जा रहा है
आज मनुष्य गुलाम।
भाई–भाई का खून करके
होता जा रहा है
इन्सान हैवान।

इसके अतिरिक्त अन्य उपस्थित कवियों के द्वारा काव्य पाठ किया गया।

अन्त मे दशरथ पाल द्वारा सबका धन्यवाद ज्ञापन के बाद गोष्ठी का समापन किया गया।

नगर निगम प्रयागराज ने मनाया गांधी जयंती

शहर समता प्रयागराज । गांधी जयंती के उपलक्ष्य पर नगर निगम प्रयागराज हरिहर घाट पर स्वच्छता कार्यक्रम के उपरांत नगर निगम के तुलसी उद्यान पार्क में 'माननीय महापौर श्री उमेश चंद्र गणेश केसरवानी' द्वारा झंडा रोहन किया गया साथ ही 'राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी को नमन करते हुए पुष्प अर्पित किए गए। 'राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जयंती' पर नगर निगम के नर्सरी स्कूलो के बच्चों द्वारा प्रस्तुति का आयोजन किया गया तथा 'माननीय महापौर जी, माननीय पार्षदों तथा नगर निगम के अधिकारियों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जीवनी पर विस्तृत प्रकाश डाला साथ ही नागरिकों को स्वच्छता की आदतअपनाने, कूड़ा–कचरा इधर–उधर न फैलाने, सिंगल–यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचने संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए शहर को स्वच्छ बनाये रखने हेतु नगरवासियों को धन्यबाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री मनोज श्रीवास्तव सचिव महापौर द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान माननीय पार्षद एवं नगर निगम के समस्त अपर नगर आयुक्त, मुख्य अभियंता एवं समस्त अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित हुए।

'रोटरी प्लैटिनम ने गांधी जयंती पर आयोजित किया दूसरा रक्तदान शिविर'

प्रयागराज, स गांधी जयंती के अवसर पर रोटरी प्लैटिनम द्वारा सिविल लाइंस स्थित आन्हा ब्लड बैंक में दूसरा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। अध्यक्ष रोटेरियन शशांक जैन ने बताया कि यह शिविर समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से लगाया गया था। प्रोग्राम चेयरमैन, रोटेरियन डॉक्टर इमरान अहमद ने कहा कि उन्होंने सभी सदस्यों, उनके परिवारों और स्टाफ से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर रक्तदान में हिस्सा लेने का आग्रह किया। संयुक्त सचिव, रोटेरियन प्रमय मित्तल ने बताया कि आज भी समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता और इच्छाशक्ति की कमी है, जिस पर हमें काम करने की आवश्यकता है। एग्जीक्यूटिव सचिव, रोटेरियन संजय सिंह ने सभी रक्तदाताओं का स्वागत एवं अभिनंदन किया और शिविर के दौरान फंडीकरण में सहयोग किया। मीडिया प्रभारी, मनीष गर्ग ने बताया कि इस दूसरे रक्तदान शिविर में रोटेरियन उपहार जैसवाल, प्रमय मित्तल, दीपक गुप्ता, मनीष गर्ग, शुभम अग्रवाल, डॉक्टर इमरान अहमद, प्रवीन विश्वकर्मा, श्रेयांश राय, शिवांश यादव, सौरभ आनंद, अलीशा कायनात, अनुराग शंकर सहित कई अन्य लोगों ने रक्तदान किया।

राँची - नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस का सोनभद्र स्टेशन पर प्रयोगात्मक ठहराव

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 12453/12454 राँची - नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस का सोनभद्र स्टेशन पर प्रयोगात्मक ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी सं0	ठहराव का स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	तिथि से प्रभावी: प्रारम्भिक स्टेशन से	तिथि से प्रभावी: सोनभद्र स्टेशन पर ठहराव
12453 राँची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस	सोनभद्र (SBDR)	00:48	00:50	06.10.2024	07.10.2024
12454 नई दिल्ली-राँची राजधानी एक्सप्रेस	सोनभद्र (SBDR)	01:38	01:40	05.10.2024	06.10.2024

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1741/24 (C)

सम्पादकीय........

साइबर गुलामी

कुलांचें भरते शेयर बाजार व सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था के दावों के बीच एक स्याह सच यह है कि भारतीय युवा सुनहरे सपनों की आस में दुनिया भर में मारे–मारे फिर रहे हैं। उससे भी ज्यादा दुखद यह कि वे बिचौलियों, दलालों व अपराधियों की साजिश से मानव तस्करी और साइबर अपराधों का शिकार बन रहे हैं। सुनहरे सपने दिखाने वाले ऑनलाइन विज्ञापनों से सम्मोहित होकर हमारे युवा ऐसे आपराधिक जाल में फंस जाते हैं कि वहां से उनका देश लौटना भी संभव नहीं होता। हमारे देश की काली भेड़ें इस साजिश का हिस्सा होती हैं। भारत के हजारों युवा दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में फंसे हैं और साइबर अपराध करने वाले नियोक्ताओं के चंगुल में फंसकर अवैध गतिविधियों को संचालित करने को मजबूर हैं। यह तथ्य भी कम चिंताजनक नहीं है देश में साइबर अपराध में लिप्त लोग ही हमवतन लोगों को संदिग्ध क्रिप्टोकरेंसी योजनाओं में निवेश करने को लुभा रहे हैं। जनवरी 2022 से मई 2024 तक विजिटिंग वीजा पर कंबोडिया, थाइलैंड,म्यांमार और वियतनाम की यात्रा करने वाले 73000 भारतीयों में 30,000 अभी तक वापस स्वदेश नहीं लौटे हैं। इनमें से आधे से अधिक साइबर गुलाम 20 से 39 वर्ष आयु वर्ग के हैं। उल्लेखनीय है कि इन लापता युवाओं की राज्यवार सूची में पंजाब शीर्ष पर है। इसके बाद महाराष्ट्र और तमिलनाडु का आंकड़ा है। निश्चित तौर पर यह हमारे नीति–नियंताओं की विफलता है कि अपने बच्चों को देश में उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देने में विफल हैं। सौभाग्य से भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा युवा आबादी मिली है मगर हम उन्हें उम्मीदों के अनुरूप काम नहीं दे पा रहे हैं। वहीं यह हमारी कानून व्यवस्था व खुफिया तंत्र की विफलता भी है कि हमारे बच्चे आसानी से साइबर अपराध करने वाले गिरोहों के चंगुल में फंस जाते हैं। हाल ही में कुछ भारतीय युवाओं को म्यांमार के साइबर अपराधियों के अड्डे से मुक्त कराया गया था। इस साजिश के खिलाफ व्यापक स्तर पर कार्रवाई करने की जरूरत है। दरअसल, भारतीय युवाओं की अवैध रूप से भर्ती करने वाले एजेंट बड़ी चालाकी से युवाओं को अपने जाल में फंसाते हैं। भारतीय आईटी में दक्ष युवाओं को डेटा एंट्री व कॉल सेंटर ऑपरेटर पदों के लिये आकर्षक वेतन आदि की पेशकश की जाती है। एक बार जब ये युवा टूरिस्ट या अन्य वीजा के जरिये गंतव्य स्थल तक पहुंच जाते हैं तो उनके पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं। उनके लिए भय व असुरक्षा के बीच वहीं रहकर काम करना एक मजबूरी बन जाती है। उन्हें वे अवैध काम करने पड़ते हैं जो उनके नियोक्ता चाहते हैं। इस मामले में निगरानी के लिये केंद्र सरकार द्वारा गठित अंतर–मंत्रालयी पैनल ने कथित तौर पर बैंकिंग, आव्रजन और दूरसंचार क्षेत्रों की खामियों की पहचान की है। इस खतरे से मुकाबले के लिये अंतर–विभागीय सहयोग व तालमेल समय की मांग है। साइबर अपराधों व इस तरह की धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिये केंद्रीय दूरसंचार मंत्रालय ने दो करोड़ अवैध मोबाइल फोन कनेक्शन काटने का निर्णय लिया है। दरअसल, ये मोबाइल कनेक्शन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खरीदे गये थे। जिनका दुरुपयोग साइबर अपराधों को अंजाम देने के लिये किया जा रहा था। साइबर जालसाजों का दुस्साहस इतना बढ़ गया कि वे मशहूर उद्योगपति एसपी ओसवाल से सात करोड़ रुपये ठगने में कामयाब हो गए। ऐसे हालात में अपराध नियंत्रण हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए, लेकिन इसके साथ ही इस संजाल की जड़ तक पहुंचने की कोशिश की जानी चाहिए ताकि साइबर अपराधी भोले–भाले लोगों को अपने जाल में न फंसा सकें। यहां सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब भारत दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था का तमगा हासिल किए हुए है तो हमारी युवा प्रतिभाएं अन्य विकासशील देशों में नौकरी करने को क्यों मजबूर हो रही हैं? ये हमारी मजबूत अर्थव्यवस्था वाली छवि के विपरीत है। यदि मौजूदा समय में हम अपने देश में कुशल युवाओं को उनकी जरूरतों व आकांक्षाओं के अनुरूप नौकरी देने में विफल रहते हैं तो विकसित भारत का लक्ष्य दूर की कौड़ी बनकर रह जाएगा।

महाराष्ट्रः गाय के सहारे एनडीए

डॉ. दीपक पाचपोर

मामला गौवंश के संरक्षण का कम और उसका राजनैतिक लाभ लेने का इरादा ज्यादा नजर आता है। प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना का एकनाथ शिंदे धड़ा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का अजित पवार घटक नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस के नाम से मिलकर सरकार चला रहा है।

अभी दो दिन पहले ही केन्द्रीय निर्वाचन आयुक्त ने 26 नवम्बर के पहले महाराष्ट्र में विधानसभा की चुनावी प्रक्रिया पूरी करने का ऐलान कर संकेत दिये हैं कि जल्दी ही इसकी तारीखों की घोषणा होगी, वहीं सोमवार को महाराष्ट्र सरकार ने गाय को राज्य माता का दर्जा देने के आदेश जारी कर दिये हैं जो एक तरह से उनकी सुरक्षा और सम्मान के प्रति कटिबद्धता को दर्शाता है। मामला गौवंश के संरक्षण का कम और उसका राजनैतिक लाभ लेने का इरादा ज्यादा नजर आता है। प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना का एकनाथ शिंदे धड़ा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का अजित पवार घटक नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस के नाम से मिलकर सरकार चला रहा है। अब एनडीए किस प्रकार आगामी विधानसभा चुनाव लड़ता है, यह देखने की बात होगी, तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस, शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट और एनसीपी का शरद पवार के नेतृत्व वाला दल महाविकास आघाड़ी (एमवीए) के बैनर तले एकजुट हैं। ये दोनों ही गठबन्धन लोकसभा चुनाव में भी आमने–सामने थे जिसमें एमवीए को बढ़त मिली थी। इसके अलावा अनेक ऐसे तथ्य हैं जो विधानसभा चुनाव में इस प्रदर्शन को दोहराने का संकेत दे रहे हैं। सत्ता जाने के डर से एनडीए गाय को भी इस उम्मीद में चुनावी मैदान में ले आई है कि उसकी पूंछ पकड़कर वह सियासी वैतरणी को पार कर ले। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी ने ऑपरेशन लोटस चलाकर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में चल रही सरकार को पलट दिया था। इसके लिये उसने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के कुछ विधायकों और ऐसे ही एनसीपी के कुछ विधायकों को अजित पवार के नेतृत्व में तोड़ा था। शिंदे मुख्यमंत्री बने तथा अजित पवार और खुद भाजपा के देवेन्द्र फडनवीस को उप मुख्यमंत्री बनाया गया जो कि पहले सीएम थे। इस तरीके से भाजपा को सरकार बनाने में सफलता तो मिल गयी लेकिन जनता का समर्थन उसने खो दिया। लोगों की निगाहों में असली शिवसेना उद्धव गुट वाली है और शरद पवार के पास जो हिस्सा है वही असली एनसीपी है। उद्धव ठाकरे के प्रति लोगों में इस प्रकरण के चलते बहुत सहानुभूति है। सरकार चलाने के बाद भी एनडीए जनता की नजरों से गिर चुकी है। इसी कारण से उसे लोकसभा में सीटें कम मिल सकीं। मजबूत इंडिया और उसके बरक्स कमजोर होता एनडीए भाजपा के लिये बहुत बड़ा संकट है। भाजपा अपना मुख्यमंत्री बनाने में नाकामयाब रही है। दूसरी ओर शिंदे फिर से सीएम बनने पर आमादा हैं तो वहीं पवार घात लगाये बैठे हैं कि वे कैसे यह पद पा सकें। अजित पवार को लेकर भाजपा के सामने अधिक दुविधा है। भाजपा की नियामक संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मानना है कि अजित पवार को साथ लेकर भाजपा ने बड़ी गलती की है। उसके अनुसार भ्रष्टाचार के कारण अजित की छवि जनता में बहुत खराब है। इसके कारण लोग भाजपा से नाराज हैं। दूसरी तरफ, भाजपा इस स्थिति में नहीं है कि वह अजित को चलता कर सके। शरद पवार के भतीजे अजित भाजपा के लिये परेशानी का सबब हैं। हाल ही में उन्होंने बयान दिया था कि बारामती से उन्होंने शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के खिलाफ अपनी पत्नी को चुनाव में खड़ा कर बड़ी गलती की है। उन्होंने इसे अपने ही परिवार को तोड़ने का कृत्य बतलाया था। इससे जनता में यह संकेत गया है कि वे पार्टी में वापसी कर सकते हैं। हालांकि अब तक उन्होंने ऐसा कोई कदम तो नहीं उठाया है और न ही इसके कोई स्पष्ट संकेत दिये हैं, लेकिन उनके बयान को इसी तरह से लिया गया है। दूसरी तरफ इंडिया गठबन्धन के सहयोगियों के रूप में कांग्रेस, उद्धव एवं पवार मजबूती के साथ खड़े हैं। जब से इंडिया का गठन हुआ है, ये दोनों धड़े कांग्रेस के साथ हैं। इन तीनों दलों (कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना तथा शरद पवार की एनसीपी) की एकजुटता एनडीए की परेशानी का सबसे बड़ा कारण है। एनडीए की तरह यहां सीएम के चेहरे को लेकर कोई द्वंद्व भी नहीं है। यहां तक कि इंडिया की एक बैठक में स्वयं उद्धव ने घोषणा कर दी थी कि उस वक्त मौजूद शरद पवार और कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले चाहें तो अभी किसी को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर सकते हैं। वे हर हाल में इंडिया के साथ हैं। शिंदे सरकार द्वारा महाराष्ट्र के विकास को जिस प्रकार से सरकार द्वारा अवरुद्ध कर दिया गया है, वह भी चर्चा में है। महाराष्ट्र की कुछ परियोजनाओं को या तो गुजरात ले जाया जा रहा है अथवा वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कारोबारी मित्रों–गौतम अदानी एवं मुकेश अंबानी को सौंपे जा रहे हैं। इससे भी जनता में भारी नाराजगी है। महाराष्ट्र में भाजपा इस कदर भयभीत है कि सम्भवतः इसी कारण से भाजपा के इशारे पर चुनाव आयोग ने यहां जम्मू–कश्मीर तथा हरियाणा के साथ चुनाव नहीं कराये। वरना श्एक देश एक चुनावश् का नारा देने वाली भाजपा और उसकी सरकार कम से कम चार राज्यों के चुनाव तो एक साथ करा ही सकती थी। झारखंड के चुनाव भी होने हैं। वहां भी भाजपा की हालत पतली बताई जाती है। ऐसे में भाजपा, शिवसेना (शिंदे) तथा एनसीपी (अजित) की सरकार को सत्ता में लौटाने के लिये ध्रुवीकरण का सहारा लिया जा रहा है। भाजपा के पास विकास के नाम पर बताने के लिये कुछ न होने के कारण गाय को राज्यमाता घोषित करना राजनीतिक चाल से अधिक कुछ नहीं है। देखना होगा कि गौमाता की एनडीए पर कृपा होती है या नहीं।

लेबनान की त्रासदी को समझें

जयशंकर गुप्त

इजराइली हमलों और खासतौर से फिलीस्तीनी मुक्ति के लिए संघर्षरत हथियारबंद संगठन हिजबुल्ला के प्रमुख हसन नसरल्लाह की हत्या के बाद पश्चिम एशिया में मिश्रित आबादी वाला देश लेबनान एक बार फिर सुर्खियों में है। ईरान सहित कुछ अन्य मुस्लिम देशों की प्रतिक्रिया और जवाबी हमलों की चेतावनी के मद्देनजर इलाके में हिंसा और रक्तपात और बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। इजराइल की योजना लेबनान और उसकी खूबसूरत राजधानी बेरुत को भी गजा बना देने की लगती है जहां आए दिन फिलीस्तीनियों के नरसंहार की खबरें आते रहती हैं। लेबनान की सेना ने एक बयान जारी कर कहा है कि पिछले दो सप्ताह में इजराइली हमलों में 1030 लोग मारे गए हैं जिनमें 156 महिलाएं और 87 बच्चे हैं। यह संख्या बढ़ते ही जा रही है। लेबनान या इसके कुछ इलाकों पर अड्डा जमाए हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमलों से लगता है कि लेबनान भी कोई मुस्लिम देश है। यह सच है कि वहां आधी से अधिक आबादी शिया और सुन्नी मुसलमानों की ही है लेकिन वहां बड़ी आबादी अलग–अलग सेक्ट के ईसाइयों की भी है। इसे हमने फ्रे ग्लोबल मार्च टू येरुशलम के बैनर तले लेबनान में जाकर महसूस किया। हम लोग समुद्री जहाज से लेबनान की राजधानी बेरुत पहुंचे थे। लेबनान की यात्रा के रोचक और रोमांचक अनुभवों को हमने अपनी सद्य प्रकाशित पुस्तक श्दो डग देखा जगश में विस्तार से साझा किया है। यहां हम लेबनान के इतिहास, भूगोल, वहां के सामाजिक जीवन, समावेशी लोकतंत्र से लेकर अपनी रोमांचक यात्रा के कुछ अंश साझा कर रहे हैं। लेबनान पूर्व में सीरिया तथा दक्षिण में इजराइल की सीमा से लगा मिश्रित सभ्यता और संस्कृतियों का छोटा सा देश है। उसे मध्यपूर्व यानी पश्चिमी एशिया में व्यापार का एक महत्वपूर्ण केंद्र कहा जा सकता है। अपनी आजादी से पहले 1943 तक लेबनान फ्रेंच साम्राज्य का उपनिवेश भी रहा। इसके अवशेष आज भी यहां जनजीवन पर साफ दिखते हैं। लेबनान और इसका तकरीबन पांच हजार साल पुराना और विकसित राजधानी बेरुत दशकों तक युद्ध–गृह युद्धों और प्राकृतिक आपदाओं की विभीषिका झेलता रहा है। इस लिहाज से देखा जाए तो लेबनान मध्य पूर्व यानी पश्चिम एशिया में सबसे जटिल और बंटे हुए देशों में से एक है। इजराइल के निर्माण के समय और बाद में भी फिलीस्तीन समस्या से जुड़े जो भी विवाद उठे उनमें किसी न किसी रूप में लेबनान भी शामिल रहा है। 1975 से लेकर नब्बे के दशक तक लेबनान ने एक जबरदस्त गृह युद्ध देखा, जहां क्षेत्रीय ताकतों, विशेषकर इजराइल, सीरिया और फिलस्तीनी मुक्ति संगठनों ने लेबनान को अपने झगड़े सुलझाने के लिए लड़ाई के मैदान के तौर पर इस्तेमाल किया। युद्ध की शुरुआत होते ही सीरियाई सैनिक टुकडियां वहां दाखिल हो गईं। इजराइली सेना ने 1978 और फिर 1982 में हमले किए और फिर वे 1985 में एक स्वघोषित सुरक्षा जोन में दाखिल हो गए जहां से वे हिजबुल्ला के लड़ाकों से मिली शिकस्त के बाद ही बाहर निकले। सीरिया का लेबनान में अच्छा खासा राजनीतिक दबदबा है। हालांकि सीरिया ने 2005 में अपनी सैनिक टुकडियां वहां से हटा कर 29 साल की अपनी सैन्य मौजूदगी खत्म कर दी थी। यह कदम लेबनान के तत्कालीन प्रधानमंत्री रफीक हरीरी की हत्या के बाद उठाया गया था। लेबनानी विपक्षी गुटों ने इस मामले में सीरिया का हाथ होने का आरोप लगाया। उसके बाद बेरुत में सीरिया समर्थक और सीरिया विरोधी बड़ी–बड़ी रैलियां आयोजित हुईं और सीरिया को वहां से बाहर निकलना पड़ा। बेरुत की अरब शिया–सुन्नी मुस्लिम, ईसाई बहुल मिश्रित आबादी में एक चौथाई आबादी 1948 में यहां आए फिलीस्तीनी शरणार्थियों की भी है। इस कारण भी वहां अक्सर आपस में और इजराइल से भी हिंसक झड़पें होती रहती हैं। 1982 के युद्ध में इजराइल ने लेबनान और खासतौर से बेरुत शहर को तबाह सा कर दिया था। लेकिन 2006 में हिजबुल्ला के लड़ाकों ने इजराइली सेना को परास्त कर उसे बहुत दूर खदेड़ दिया था। उस युद्ध में विजय और इजराइल की पराजय को यादगार बनाने के लिए बेरुत से कुछ दूर ऊंची पहाड़ी पर श्वार मेमोरियलश बनाया गया है जहां इजराइल के साथ युद्ध में हिजबुल्ला की जीत पर आधारित फिल्म दिखाई जाती है। लगातार युद्ध, हिंसक झड़पों के साथ ही प्राकृतिक आपदाओं की विभीषिका का सामना करते रहे लेबनान और खासतौर से बेरुत के नए सिरे से खड़ा होने की जिजीविषा अपने आप में एक उदाहरण है। बेरुत में मिश्रित जन जीवन और संस्कृति के दर्शन होते हैं। अपने थिएटर, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक, पब्लिशिंग और बैंकिंग गतिविधियों के साथ ही पब्स और नाइट क्लबों से सज्जित नाइट लाइफ के कारण भी बेरुत अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का आकर्षण केंद्र बना हुआ है। यह भी एक वजह है कि न्यूयार्क टाइम्स ने 2009 में बेरुत को पर्यटकों का सबसे पसंदीदा शहर घोषित किया था। लेबनान की राजधानी बेरुत को पश्चिम एशिया का पेरिस भी कहा जाता है। लेकिन छोटे–मोटे तमाम कामों के लिए यह शहर स्सूरी कामगारोंश पर टिका है। सूरी यानी पड़ोसी देश सीरिया में गरीबी, बेरोजगारी और आतंकवाद से त्रस्त होकर यहां आने वाले लोग काम करते नजर आ जाएंगे। सबसे बुरी हालत तो यहां रहने वाले फिलीस्तीनी शरणार्थियों की है। उनकी बस्तियां अलग–अलग इलाकों में हैं। उन्हें किसी तरह के नागरिक अधिकार नहीं हैं। 28 मार्च, 2012 की सुबह नौ बजे हमारा जहाज बेरुत बंदरगाह पर पहुंच गया था। लेबनान के कुछ आप्रवासन अधिकारी जहाज के अंदर आए और हमसे वीसा फार्म भरवाकर हमारे पासपोर्ट लेकर चले गए। कई घंटे बीत जाने के बाद भी जब वीसा नहीं मिला तो चिंता सताने लगी। रात के 11 बजे तक कोई हलचल नहीं दिखी तो एक बार फिर हम लोगों ने आधी रात को जहाज के डेक पर आकर हल्ला–हंगामा और नारेबाजी शुरू की। थोड़ी देर में बंदरगाह के आप्रवासन अधिकारी अहमद आए। उनके साथ हमारी कुछ कहा–सुनी भी हुई। अहमद अगली सुबह नौ बजे तक कुछ होने की बात कह कर चले गए। दाल में कुछ काला भांप कर हम लोगों ने बेरुत स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क किया। इस बीच जहाज पर पहुंचे भारतीय दूतावास में वीसा काउंसिलर ए के शुक्ला ने बताया कि बेरुत के आप्रवासन अधिकारी तो हमें बैरंग दिल्ली डिपोर्ट करने की तैयारी में हैं। मतलब साफ था कि आपको बिना कोई कारण बताए आपस आपके मुल्क भेज दिया जाएगा और आपके पासपोर्ट पर लिख दिया जाएगा, डिपोर्टेड। हमने जहाज में साथियों से विमर्श किया और शुक्ला जी की बातों का मर्म समझाया कि हमारे पासपोर्ट्स पर डिपोर्टेड लिखकर हमें वापस हमारे देश भेज दिया जाएगा। उस पर डिपोर्टेशन का कारण भी नहीं लिखा होगा। हमने तय किया कि गांधी और लोहिया के दिए राजनीतिक अस्त्र सिविल नाफरमानी का इस्तेमाल करते हुए इसकी शालीनता के साथ अवज्ञा करेंगे। इस बीच शायद नई दिल्ली का संदेश आ चुका था। और तकरीबन 40 घंटे बेवजह जहाज में ही बिताने के बाद हमें वीसा मिल गया। अगली सुबह बसों से हमारा कारवां ग्लोबल मार्च टू येरुशलम का हिस्सा बनने के लिए रवाना हुआ। बेरुत से तकरीबन 60 किमी दूर अरनून गांव की पहाड़ी पर स्थित बेऊफोर्ट कैसल के पास हमें तारों की बाड़ दिखाई दी। किले के पास दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों के द्वारा फिलीस्तीन की मुक्ति एवं येरुशलम पर तीनों धर्मों–मुस्लिम, ईसाई और यहूदियों के पवित्र धर्मस्थलों की सम्मानजनक स्थिति बहाली की मांग के साथ श्ग्लोबल मार्च टू येरुशलमश का एक और चरण पूरा हो गया। प्रदर्शन में स्थानीय फिलीस्तीनी शरणार्थी स्त्री–पुरुष भी बड़ी मात्रा में वहां आए थे।

संकट में सोयाबीन

आदित्य सिंह

उन्नीसवीं सदी में चीन से जब सोयाबीन के बीज भारत आए तो उन्हें सबसे पहले मध्यप्रदेश की जमीन पर लगाया गया और देखते–ही–देखते यहां के किसानों ने सोयाबीन को अपना लिया। सबसे ज्यादा पैदावार के कारण राज्य को सोया–प्रदेश पुकारा जाने लगा, लेकिन आज इसी मध्यप्रदेश में कई किसान इसे छोड़ने तक की बात करने लगे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि सोयाबीन के भाव आज भी दस साल पुराने हैं। कई इलाकों में किसान सोयाबीन की अपनी फसल को उखाड़ रहे हैं। वे अब सोयाबीन के अगले सीजन का इंतजार भी नहीं करना चाहते, क्योंकि उन्हें पिछले साल की फसल के दाम भी श्न्यूनतम समर्थन मूल्यश (एमएसपी) से करीब डेढ़ हजार रुपए कम मिल रहे हैं। दलहन की इस अहम फसल को लेकर किसान कई तरह की परेशानियों का सामना कर रहे हैं। सबसे पहली परेशानी है कि सोयाबीन की लागत और मंडी में मिल रहे भाव में लगातार बढ़ रहा अंतर और दूसरी परेशानी है, सोयाबीन की उपज में लग रहे कीट जो उत्पादन को लगातार प्रभावित कर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में सोयाबीन का उत्पादन गिरा है। इसकी वजह मौसमी बदलाव, कम जागरुकता और घटिया बीज–खाद–दवाएं भी हैं। इंदौर जिले के गवलीपलासिया गांव के किसान रुपनारायण पाटीदार ने अपनी 13 बीघा जमीन पर लगी सोयाबीन की फसल पिछले दिनों उखाड़कर फेंक दी। वे कहते हैं कि बीते साल भी सोयाबीन का अच्छा भाव नहीं मिला था और उन्हें इस बार अपनी फसल से बहुत उम्मीद थी, लेकिन इस बार कमजोर बीज और खराब मौसम ने इन उम्मीदों पर पानी फेर दिया। सोयाबीन के पौधे काफी बढ़े, लेकिन इनमें फलियां नहीं आईं। इसी तरह मंदसौर जिले के गरोठ तहसील में रहने वाले किसान कमलेश पाटीदार ने भी अपनी दस बीघा जमीन में लगी सोयाबीन पर ट्रैक्टर चला दिया। उन्होंने अपनी डेढ़ क्विंटल सोयाबीन पिछले दिनों मंडी में बेची तो दाम केवल 3800 रुपए प्रति क्विंटल ही मिले। वे दाम बढ़ने का इंतजार करके रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ऐसे में फसल को तैयार करके मंडी तक ले जाने में काफी खर्च आता और यह खर्च उनकी लागत को नहीं पाट सकता था। मध्यप्रदेश में सोयाबीन की खेती पचास लाख हैक्टेयर से अधिक जमीन पर की जाती है, लेकिन ज्यादातर इलाकों से किसानों की परेशानी की खबरें आ रही हैं। प्रदेश के तकरीबन सभी हिस्सों में श्पीला मोजेकश रोग सोयाबीन के लिए नुकसानदेह साबित हो रहा है। इसके अलावा पिछले दिनों हुई अनियमित बारिश भी फसल के लिए प्रतिकूल साबित हुई है। इसके चलते फसल में कीट लगे हैं जो फूल को काफी पहले गिरा देते हैं। किसानों के मुताबिक खेतों में फसल तो खड़ी नजर आ रही है, लेकिन यह बांझ फसल है जो किसी तरह से उनके काम की नहीं है। सोयाबीन के कम दाम को लेकर किसानों की नाराजगी को गलत नहीं कहा जा सकता। साल 2014 में मंडियों में सोयाबीन अधिकतम 4400 रुपए प्रति क्विंटल के दाम पर बिक रहा था और आज की स्थिति में मध्यप्रदेश की ज्यादातर मंडियों में सोयाबीन के भाव 3400 से 4400 रुपए प्रति क्विंटल के बीच झूल रहे हैं। ऐसे में यह तथ्य भी दिलचस्प है कि केंद्र सरकार ने श्खरीफ विपणन सत्र 2024–25 के लिए सोयाबीन का एमएसपी 4,892 रुपए प्रति क्विंटल तय किया है, यानी राज्य के किसान एमएसपी से काफी कम दाम पर सोयाबीन बेचने को मजबूर हैं। एक बीघा में तीन से चार क्विंटल उत्पादन ही होता है। ऐसे में एक क्विंटल सोयाबीन के लिए फिलहाल मिल रहे दाम (3500 रुपए प्रति क्विंटल) अधिकतम 14,000 रुपए ही बनते हैं। ऐसे में चार महीने की इस फसल में किसान अपनी लागत ही बड़ी मुश्किल से निकाल पाता है। वहीं अगर फसल पर मौसम या रोग की मार पड़ जाए तो लागत भी मारी जाती है, जैसा कि इस साल किसानों के साथ हो रहा है। विशेषज्ञ इस बात से इंकार नहीं करते कि सोयाबीन के दाम कम हैं, लेकिन वे उम्मीद जता रहे हैं कि आने वाले महीनों में इसके दाम बढ़ने वाले हैं। इनके मुताबिक सोयाबीन के दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार से तय होते हैं। मध्यप्रदेश ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन के सदस्य लाल साहब जाट कहते हैं कि सोयाबीन के भाव अंतरराष्ट्रीय बाजार और श्खलीश (पशु खाद्य) की मांग के आधार पर तय होते हैं। अगर किसान सोयाबीन की बुवाई के बाद उसे उखाड़ रहे हैं, तो यह गलत है। नवंबर और दिसंबर में सोयाबीन के रेट फिर से बढ़ सकते हैं। बाजार की समझ रखने वाले इन विशेषज्ञों की राय से उलट, किसान की स्थिति तय करती है कि वे सोयाबीन को अच्छे दाम के इंतजार में संजोकर रख सकते हैं या नहीं। इस बारे में धार जिले के ही एक किसान गोपाल यादव बताते हैं कि सोयाबीन को लंबे समय तक स्टोर करना अब घाटे का सौदा हो गया है। पिछले दो सालों से सोयाबीन को संभालकर रखने के बावजूद, इसके भाव में कोई वृद्धि नहीं हुई है। मौसम की मार, कम दाम के अलावा सोयाबीन के किसान और भी कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। इनमें एक समस्या सोयाबीन के उत्पादन में आ रही कमी है। कांग्रेस के किसान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष केदार सिरोही कहते हैं कि मध्यप्रदेश में कम गुणवत्ता वाले बीज और खाद, फसलों में होने वाले घाटे का प्रमुख कारण हैं। प्रदेश में हर साल केवल इस समस्या की वजह से कृषि अर्थव्यवस्था को करीब 15 हजार करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान होता है। धार जिले के किसान राहुल भाकर के अनुसार सरकारी नीतियों के चलते विदेशों से तेल का आयात किसानों को नुकसान पहुंचा रहा है। भारत सरकार ने पाम ऑयल के आयात पर शुल्क हटा दिया है, जिसका असर सोयाबीन खाद्य तेल उद्योग पर नकारात्मक रूप से पड़ा है। पाम ऑयल की अधिक उपलब्धता और सोयाबीन जैसे खाद्य तेलों में इसके मिश्रण का बढ़ता उपयोग भारत में सोयाबीन की खपत को प्रभावित कर रहा है। कृषि–नीति विशेषज्ञ देविंदर शर्मा ने कहा कि सोयाबीन के दाम मलेशिया की राजधानी क्वालालंपुर के कमोडिटी एक्सचेंज पर निर्भर करते हैं। वहां अगर दाम गिरते हैं तो भारत में भी गिरावट होती है। यह उतार–चढ़ाव किसानों के लिए संकट पैदा कर रहा है, खासकर जब सोयाबीन का दाम बारह साल पहले के स्तर पर वापस आ गया है। किसानों को सही दाम न मिलने की समस्या केवल भारतीय नहीं, बल्कि वैश्विक है। शर्मा ने कहा कि किसानों को अपनी उपज का दस प्रतिशत कम करना चाहिए, ताकि मांग बढ़ सके। सरकारें अतिरिक्त उत्पादन की होड़ में हैं, जिससे इंडस्ट्री को फायदा होता है, लेकिन किसानों को नहीं। खाद्य–तेल के आयात पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि एक समय भारत इसमें आत्मनिर्भर था, लेकिन अब वह दूसरे सबसे बड़े आयातक के रूप में उभरा है। सोयाबीन किसानों की समस्याओं को लेकर मध्यप्रदेश के कृषिमंत्री एंदल सिंह कंसाना कहते हैं कि यह जानकारी गलत है कि किसान सोयाबीन को उखाड़कर फेंक रहे हैं। मैं अधिकारियों के पूरे संपर्क में हूं और इसकी एक भी खबर मेरे पास नहीं आई है।

तृप्ति डिमरी ने 5 लाख रुपये लेकर जयपुर इवेंट को छोड़ा

> मिड-डे की एक रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें एक उपस्थिति के लिए ५.५ लाख रुपये का भुगतान किया गया था। हालांकि, तृप्ति नहीं आई। इससे आयोजक और कार्यक्रम में शामिल लोग नाराज हो गए। जयपुर का यह वीडियो ऑनलाइन सामने आया है जिनमें गुस्साई महिलाएं तृप्ति के पोस्टर को नष्ट कर रही हैं और तृप्ति की आगामी फिल्म का बहिष्कार करने की धमकी दे रही हैं।

सोशल मीडिया पर तृप्ति डिमरी सुर्खियो में है। दरअसल,तृप्ति डिमरी तब विवादों में आ गईं जब उन्होंने जयपुर में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कथित तौर पर 5 लाख रुपये लिए और फिर वहां नहीं पहुंचीं। आयोजक केस करने की धमकी देते हैं। जानें क्या है पूरा मामला। इस दौरान भाभी 2 यानी बॉलीवुड एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी काफी सुर्खियो में है। एक्ट्रेस की राजकुमार राव के साथ विक्की विद्या का वो वाला वीडियो फिल्म जल्द ही रिलीज होने वाली है। ऐसे में एक्ट्रेस ने जयपुर के इवेंट में जाने के लिए 5 लाख रुपये का लिए थे लेकिन एक्ट्रेस कथित तौर पर इवेंट में शामिल नहीं हुईं, इसके बाद तृप्ति डिमरी आलोचनाओं के घेरे में आ गई हैं। जयपुर में थ्ब्ब् थ्स्व की महिला उद्यमियों द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था और तृप्ति को इस सत्र में भाग लेना था।

तृप्ति से नाराज हुए आयोजक

एनिमल स्टार अपनी आगामी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का प्रचार करने के लिए शहर में थे। अपनी यात्रा के हिस्से के रूप में, उन्हें फिक्की एफएलओ कार्यक्रम में भी शामिल होना था। मिड–डे की एक रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें एक उपस्थिति के लिए 5.5 लाख रुपये का भुगतान किया गया था। हालांकि, तृप्ति नहीं आई। इससे आयोजक और कार्यक्रम में शामिल लोग नाराज हो गए। जयपुर का यह वीडियो ऑनलाइन सामने आया है जिनमें गुस्साई महिलाएं तृप्ति के पोस्टर को नष्ट कर रही हैं और तृप्ति की आगामी फिल्म का बहिष्कार करने की धमकी दे रही हैं। "मुंह काला करो इसका," एक महिला को अपने पोस्टर को खराब करते हुए यह कहते हुए सुना गया।

गुस्साई महिलाओं ने तृप्ति का मुंह काला किया

एक वीडियो में एक महिला ने कहा, श्कोई इसकी फिल्में नहीं देखेगा। प्रतिबद्धता करके ये लोग आते नहीं हैं, समय प्रबंधन करना आना चाहिए। कौन सी बड़ी सेलिब्रिटी बनी है? कोई जनता भी नहीं है इसका नाम. हम तो आये थे देखने की कोन है ये। अभी तक कोई जानता नहीं है और यही उसकी जिंदगी है।श वह बिल्कुल भी सेलेब्रिटी कहलाने लायक नहीं हैं.श (ष्कोई भी उनकी फिल्में नहीं देखेगा। वे कमिटमेंट करते हैं लेकिन दिखते नहीं हैं; उन्हें समय प्रबंधन सीखने की जरूरत है। तृप्ति कितनी बड़ी सेलिब्रिटी हैं? कोई भी उनका नाम नहीं जानता। हम यह देखने आए थे कि वह कौन हैं। अब तक, कोई भी उसे नहीं जानता, और यह उसका जीवन है। तृप्ति सेलिब्रिटी कहलाने लायक बिल्कुल भी नहीं है।) महिलाओं में से एक, जो आयोजन समिति का हिस्सा थीं, उन्होंन कहा, "जयपुर को तृप्ति डिमरी का बहिष्कार करना चाहिए। हम उसपे केस करेंगे। मैंने आधे पैसे ट्रांसफर कर दिए थे और आधे पैसे ट्रांसफर करने ही वाला था, लेकिन मैं रुक गया क्योंकि वे मुझसे 5 मिनट इंतजार करने को कह रहे थे। मुझे नहीं पता क्यों, लेकिन मैंने उन्हें आधा दे दिया और आधा अभी भी उनके पास है। कुल डील 5.5 लाख रुपये थी। जयपुर को उनकी फिल्मों का बहिष्कार करना चाहिए क्योंकि उन्होंने आज हमारा अपमान किया है। पैसे लेने के बाद समय बदलना। वह भाग रही है और उसने हमारा अपमान किया है, तो आइए उसकी फिल्मों से भाग जाएं।श

तृप्ति डिमरी ने अभी तक इन दावों पर प्रतिक्रिया नहीं दी है।

इस बीच, तृप्ती मंगलवार शाम को जयपुर से लौटीं और मनीष मल्होत्रा घ्के लिए कार्तिक आर्यन के साथ रैंप पर चलीं। एक्ट्रेस शादी का जोड़ा पहनकर रैंप पर चलीं। अभिनेत्री वर्तमान में अपनी दो आगामी रिलीज़, विक्की विद्या का वो वाला वीडियो और भूल भुलैया 3 का प्रचार कर रही है।

शाहकोट के विरोध पर बोले गुरु रंधावा, पहले भी बनती रही हैं ऐसी फिल्में

सिंगर और एक्टर गुरु रंधावा की बहुचर्चित फिल्म शाहकोट का ट्रेलर रविवार को रिलीज होने के बाद से कई जगह इसका पुरजोर विरोध देखने को मिला। एक्टर एवं सिंगर गुरु रंधावा ने बताया कि अगर हम सिनेमा को सपोर्ट करेंगे, तो सिनेमा बड़ा होगा। बड़े दिल से मैंने यह पंजाबी फिल्म की है और श्शाहकोटश मेरी पहली पंजाबी फिल्म है। सभी लोगों से अपील कर रहा हूं कि वे फिल्म देखकर हमें सपोर्ट करें ताकि आगे आने वाले समय में हम और भी अच्छी फिल्में बना सकें। कुछ लोगों का कहना है कि फिल्म पाकिस्तान का पक्ष लेती है। इस पर गुरु रंधावा ने कहा कि बिना पूरी चीज देखे कुछ लोग राय कायम कर लेते हैं। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि उन्होंने ट्रेलर में क्या देखा कि विरोध को बढ़ावा दे रहे हैं। लेकिन फिल्म में विरोध करने लायक कुछ नहीं है। यह बहुत ही प्यार–मोहब्बत वाली फिल्म है। पहले भी ऐसी फिल्में बनती रही हैं और आगे भी बनती रहेंगी। जो लोग विरोध कर रहे हैं, फिल्म देखने के बाद उनका वहम दूर हो जाएगा। बता दें कि गुरु रंधावा की फिल्म शाहकोट 4 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का किरदार शाहकोट से पाकिस्तान जाता है, जहां पाकिस्तान में रहने वाली एक लड़की से उसे प्यार हो जाता है। मूवी में पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान का पक्ष लेने को लेकर काफी विवाद हो रहा है। हाल ही में, शिवसेना की पंजाब इकाई ने इस फिल्म के खिलाफ विरोध–प्रदर्शन किया था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने फिल्म के पोस्टर जलाए थे और पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाए थे। फिल्म में गुरु रंधावा के साथ ईशा तलवार, राज बब्बर, गुरशब्द हरदीप गिल, सीमा कौशल, नेहा दयाल और मनप्रीत सिंह भी हैं। अनिरुद्ध मोहता द्वारा निर्मित यह फिल्म 4 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

नमस्कार, प्रणाम, मैं अब ठीक हूं, गोली निकाल ली गई, गोविंदा ने जारी किया ऑडियो संदेश

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता गोविंदा को मंगलवार सुबह गोली लग गई। उन्हें उनकी ही बंदूक से गोली लगी, जिससे वह घायल हो गए। गोली लगने के बाद उन्हें इलाज के लिए सीआरआईटीआई अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के डॉक्टर ने गोविंदा के पैर से गोली निकाल दी है। अभिनेता गोविंदा ने खुद एक ऑडियो संदेश जारी कर इस बात की जानकारी दी। अभिनेता गोविंदा एक ऑडियो संदेश जारी कर कहा, नमस्कार, प्रणाम, मैं हूं गोविंदा। आप सभी लोगों, मां–बाप के आशीर्वाद और गुरु की कृपा से मैं ठीक हूं। मुझे गोली लगी थी, जिसे निकाल दिया गया है। मैं धन्यवाद देता हूं, यहां के डॉक्टर का और आप सभी लोगों की प्रार्थना के लिए आप सभी का धन्यवाद, प्रणाम। बता दें कि मंगलवार सुबह 4.45 बजे अभिनेता गोविंदा कहीं जाने के लिए घर से निकल रहे थे। इसी दौरान कथित तौर पर बंदूक संभालते वक्त उनसे मिस फायर हो गया और उनके पैर में गोली लग गई। घटना के बाद तुरंत उन्हें इलाज के लिए सीआरआईटीआई अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। गोविंदा के साथ हुई इस घटना की जानकारी सामने आते ही उनके फैंस काफी परेशान हो गए। लोग उनकी सलामती के लिए दुआ और प्रार्थना करने लगे। बता दें कि गोविंदा ने कई फिल्मों में शानदार अभिनय किए हैं। वह कुली नंबर 1, हीरो नंबर 1, छोटे सरकार, हद कर दी आपने जैसी फिल्मों में बतौर मेन लीड काम कर चुके हैं। बीते 5 सालों से वह फिल्मों से दूर हैं। वर्तमान में वह राजनीतिक दल शिवसेना के साथ हैं इससे पहले वो कांग्रेस में थे। वो लोकसभा सांसद भी रह चुके हैं।

देर रात 73 साल के रजनीकांत की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती एक्टर के लिए फैंस मांग रहे दुआ

रजनीकांत के फैन की चिंता उस समय बढ़ गई जब उन्हें पता चला कि उनके हीरो की तबीयत बिगड़ गई है। रजनीकांत को सोमवार देर रात चेन्नई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल उनकी हालत ठीक है, फैंस उनके लिए लगातार दुआएं कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि 73 साल के रजनीकांत को अचानक तेज पेट में दर्द हुआ, जिसके बाद उनके परिवार ने इनहें अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने जानकारी दी कि एक्टर की हालत स्थिर है। उन्होंने बताया कि एक्टर का मंगलवार को संभवतरू कोई पूर्व निर्धारित उपचार ('इलेक्टिव प्रोसीजर) होना है।

उनकी जांच इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. साई सतीश की टीम कर रहे हैं. रजनीकांत के परिवार या अस्पताल की ओर से इस बारे में अब तक कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई है। बता दें कि कुछ सालों पहले सुपरस्टार ने सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट करवाया था और हाल ही में उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए राजनीति से संन्यास ले लिया था। अब फैंस उनके जल्द से जल्द ठीक होने की दुआ कर रहे हैं। थलाइवा के नाम से मशहूर रजनीकांत ने अपने करियर में कई यादगार फिल्में दी हैं और लाखों दिलों पर राज किया है। फैन उन्हें भगवान की तरह पूजते हैं। रजनीकांत और अमिताभ बच्चन स्टारर श्वेट्टैयानश 10 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वेट्टैयान रजनीकांत की 170वीं फिल्म है। इससे पहले, प्रोडक्शन कंपनी ने रजनीकांत के 73वें जन्मदिन पर फिल्म का टाइटल टीजर जारी किया था।

आज 81वां जन्मदिन मना रहे हैं आशा पारेख, रोलर-कोस्टर से कम नहीं रही पर्सनल लाइफ

आज के दिन यानी की 02 अक्तूबर को अपने जमाने में सबसे शानदार अभिनेत्री आशा पारेख का जन्म हुआ था। वह एक या दो नहीं बल्कि सात दशकों से अभिनेत्री हिंदी सिनेमा से जुड़ी हैं। अदाकारी के मामले में आशा पारेख ने बड़ी–बड़ी अभिनेत्रियों को पीछे छोड़ दिया था। एक जमाने में वह सबसे महंगी हिरोइनों की लिस्ट में शुमार हो गई थी। बता दें कि 60–70 के दशक में आशा पारेख ने इंडस्ट्री को कई हिट फिल्में दी। अभिनेत्री ने अपनी बेहतरीन एक्टिंग के लिए कई प्रतिष्ठित अवॉर्ड्स अपने नाम किए हैं। आशा पारेख ने अपने करियर में खूब नाम और शोहरत कमाई। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर अभिनेत्री आशा पारेख के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

मनोज कुमार–आशा पारेख का झगड़ा

अभिनेत्री आशा पारेख और दिग्गज अभिनेता निर्देशक मनोज कुमार ने साथ में कई फिल्मों में काम किया है। वैसे तो दोनों की जोड़ी पर्दे पर हिट थी। लेकिन सेट पर दोनों के बीच तू–तू मैं–मैं होना आम बात थी। एक बार अभिनेता ने आशा पारेख को फिल्म के प्रीमियर में इग्नोर किया था। जिसे एक्ट्रेस इतना ज्यादा नाराज हो गईं कि उनको लगने लगा कि मनोज कुमार घमंडी हैं। हालांकि अभिनेता मनोज के टैलेंट ने आशा को उनके साथ काम करने के लिए मोटिवेट किया था। आशा और मनोज ने फिल्म श्अपना बनाके देखोश में काम किया था, लेकिन यह फिल्म फ्लॉप हो गई। फिर दोनों ने फिल्म श्दो बदनश में स्क्रीन शेयर किया और यह फिल्म हिट रही।

डिप्रेशन का शिकार थीं अभिनेत्री

आशा पारेख फिल्मी करियर पर भले ही ऊंचाइयों पर रहीं, लेकिन एक्ट्रेस की पर्सनल लाइफ भी किसी रोलर–कोस्टर से कम नहीं रही। अभिनेत्री ने अपने पेरेंट्स को हमेशा के लिए खो दिया था, तब आशा अंदर से इतना टूट गई थीं कि वह डिप्रेशन का शिकार हो गई थीं। हालांकि डॉक्टर की मदद से वह इस फेज से जल्द बाहर निकल आईं।

जिंदगी भर रहीं कुंवारी

बता दें कि एक्ट्रेस ने आज तक शादी नहीं की है। वह फेमस डायरेक्टर और प्रोड्यूसर नासिर हुसैन से प्यार करती थीं। लेकिन उनसे शादी नहीं कर पाईं। क्योंकि नासिर पहले से शादीशुदा थीं। ऐसे में आशा पारेख किसी का घर तोड़कर अपना आशियाना नहीं बसाना चाहती थीं। इस वजह से आशा पारेख ने शादी नहीं की।

करवा चौथ से पहले चमकती हुई त्वचा पाने के लिए कोरियन स्किन केयर रुटीन को फॉलो करें

आजकल चमकदार और बेदाग रंगत त्वचा हर कोई चाहता है। ग्लोइंग त्वचा पाने के लिए आज के समय में 'कोरियाई ग्लास स्किन' का चलन काफी बढ़ गया है। कोरियन स्किन केयर रुटीन फॉलो करने से एक चमकदार और पारदर्शी स्किन होती है। कोरियन जैसी चमक वाली त्वचा पाने के लिए आप प्रभावी मेकअप ट्रिक्स के कॉम्बिनेशन के साथ ही अपनी त्वचा का पोषण देना भी जरुरी है। करवा चौथ त्योहार आने में काफी समय अगर आप अभी से कोरियन स्किन केयर को फॉलो करेंगी, तो एकदम खिली–खिली त्वचा मिलेगी। आइए जानते हैं कैसे कोरियन स्किन केयर को फॉलो करें।

साफ त्वचा के लिए दिन में दो बार चेहरा साफ करें

कोरियाई त्वचा देखभाल दोहरी सफाई की अवधारणा के इर्द–गिर्द घूमती है, जो आपकी रात की दिनचर्या के लिए आवश्यक है क्योंकि यह गंदगी और मेकअप को प्रभावी ढंग से हटाने में मदद करती है। क्लींजिंग पैड और पानी आधारित क्लींजर से अपना चेहरा अच्छी तरह से धोकर शुरुआत करें। हर्बल अर्क यदि आप मेकअप लगाती हैं, तो एक तेल क्लींजर का चयन करें जो मेकअप के सभी निशानों को धीरे से हटा सकता है। वहीं, आप एक हल्के झागदार क्लींजर का उपयोग करें। त्वचा देखभाल उत्पादों का चयन करना सुनिश्चित करें जो आपकी त्वचा के प्रकार का हों। जितना हो सके आप त्वचा को एक्सफोलिएट जरुर करें। यह फेस के मृत त्वचा कोशिकाओं और ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स को रिमूव करते हैं। नियमित उपयोग के लिए एक सौम्य एक्सफोलिएंट चुनें, इसे सप्ताह में 2–3 बार लगाएं। प्राकृतिक एक्सफोलिएंट के लिए शहद और चावल के पाउडर को मिलाकर एक सौम्य स्क्रब बनाएं।

स्किन पर टोनर लगाएं

कोरियाई स्किन केयर रुटीन में टोनर का प्रयोग भी बेहद जरुरी है। टोनर चेहरे को मॉइस्चराइज करता है और हाइड्रो–बूस्टिंग तत्वों से भरे होते हैं, जो आपकी त्वचा को अन्य उत्पादों के इष्टतम अवशोषण के लिए तैयार करते हैं। दोहरी सफाई के बाद, आपके छिद्र खुले होंगे और टोनर छिद्रों को धीरे से बंद करते हुए आपकी त्वचा के पीएच संतुलन को बनाए रखने में मदद करेगा। अपनी त्वचा को गहराई से पोषण देने के लिए हाइलूरोनिक एसिड, ग्लिसरीन या गुलाब जल जैसे हाइड्रेटिंग तत्वों वाले टोनर की तलाश करें।

अपनी त्वचा को मॉइस्चराइज करें

त्वचा में नमी बनाने के लिए, अपनी त्वचा के ऊपर थोड़ी मात्रा में मॉइस्चराइजर लगाएं। ऐसे मॉइस्चराइज़र की तलाश करें जो जल्दी से एब्जॉर्ब हो और त्वचा पर कोमल हो। एक अच्छा मॉइस्चराइजर आपकी त्वचा को मुलायम बनाएगा और प्राकृतिक रूप से चमक प्रदान करेगा।

सनस्क्रीन के लिए प्रयोग करें

कोई भी कोरियाई दिन के समय त्वचा की देखभाल की दिनचर्या सनस्क्रीन के बिना पूरी नहीं होती है। यह एक आवश्यक उत्पाद है जिसे हर कोरियाई महत्वपूर्ण मानता है। हमारी त्वचा धूप और प्रदूषण से प्रभावित होती है, इसलिए बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाना हमेशा याद रखें।

शीट मास्क जरुर लगाएं

कोरियाई शीट मास्क एक कारण से बेहद लोकप्रिय हैं। ये आपकी त्वचा को तुरंत हाइड्रेट और चमकदार बनाते हैं, और ये आलू, शिया बटर, ग्रीन टी और चावल के पानी जैसे विभिन्न लाभकारी तत्वों से युक्त होते हैं। कुछ मास्क विशेष रूप से संवेदनशील त्वचा के लिए डिजाइन किए गए हैं और जलन को शांत करने में मदद करते हैं। अपनी त्वचा के प्रकार के अनुसार ही शीट मास्क चुनें; तैलीय त्वचा वाले लोग कोरियाई क्ले मास्क से लाभ उठा सकते हैं, जबकि सामान्य से तैलीय त्वचा वाले लोग शीट मास्क के किसी भी प्रकार का उपयोग कर सकते हैं।

कब्ज की समस्या से मिल जाएगा छुटकारा, इन योगासनों का जरूर करें अभ्यास

पेट साफ न होना या कब्ज की समस्या आजकल एक आम परेशानी बन गई है, जिसका सामना हर उम्र के लोग कर रहे हैं। अगर आपका पेट भी सुबह उठते ही साफ नहीं होता, तो इसका असर आपकी सेहत पर बहुत बुरा पड़ सकता है। इसके लिए दवाओं की जगह, कुछ योगासन को अपनी डेली रूटीन में शामिल करना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। ये योगासन आपकी गट हेल्थ को सुधारने में मदद कर सकते हैं और पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा दिला सकते हैं। पेट साफ न होने का मुख्य कारण खराब खान–पान, पानी की कमी, स्ट्रेस, और शारीरिक गतिविधियों की कमी हो सकता है। इन समस्याओं का हल योग के जरिए संभव है। आइए जानते हैं कौन–कौन से योगासन आपको पेट साफ करने और कब्ज की समस्या से निजात दिलाने में मदद करेंगे।

वज्रासन

वज्रासन को खाने के बाद करना अत्यधिक लाभकारी होता है। इस आसन को करने के लिए घुटनों को मोड़कर एड़ियों के बल बैठ जाएं। यह आपके पाचन तंत्र को सक्रिय करता है और पाचन की प्रक्रिया में सुधार लाता है। वज्रासन पेट की गैस को भी कम करने में मददगार साबित होता है। इस आसन को 5–10 मिनट तक रोजाना करने से आपके पेट की सफाई आसानी से हो सकती है।

भुजंगासन

भुजंगासन आपकी गट हेल्थ को सुधारने का एक प्रभावी तरीका है। इसे करने के लिए पेट के बल लेटकर, अपने हाथों को कंधों के पास रखें और धीरे–धीरे शरीर के ऊपरी हिस्से को उठाएं। यह आसन पेट के अंदरूनी अंगों को सक्रिय करता है और कब्ज, अपच जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। इसे नियमित रूप से करने पर पाचन तंत्र में सकारात्मक बदलाव देखे जा सकते हैं।

त्रिकोणासन

त्रिकोणासन आपकी पाचन प्रक्रिया को सुधारने के साथ–साथ कब्ज की समस्या से भी राहत दिलाता है। इसे करने के लिए अपने पैरों को फैलाकर सीधे खड़े हो जाएं। दोनों हाथों को फैलाकर, एक हाथ से अपने पैर को छुएं। यह योगासन आपके पेट के अंगों पर सकारात्मक प्रभाव डालता है और उन्हें मजबूती प्रदान करता है। नियमित रूप से त्रिकोणासन का अभ्यास करने से कब्ज की समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

पवनमुक्तासन

पेट की गैस और कब्ज को दूर करने के लिए पवनमुक्तासन एक उत्तम आसन है। इसे करने के लिए पीठ के बल लेट जाएं, फिर एक पैर को मोड़कर छाती के पास लाएं और हाथों से इसे पकड़ें। दूसरे पैर के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएं। इस आसन का रोजाना अभ्यास आपके पेट की गैस और कब्ज की समस्या को दूर करने में मदद करता है। पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए यह आसन अत्यधिक प्रभावी है।

मालासन

मालासन या स्क्वाट पोज आपके पेट की मांसपेशियों को सक्रिय करता है और पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करता है। इस आसन को करने के लिए आपको घुटनों को मोड़कर स्क्वाट पोज में बैठना होता है। यह आसन न केवल पेट साफ करने में सहायक है, बल्कि कब्ज और अन्य पेट संबंधी समस्याओं से भी निजात दिलाता है। रोजाना इसे 2–3 मिनट तक करना फायदेमंद हो सकता है।

उत्तानासन

उत्तानासन एक आसान योगासन है, जो पेट की मांसपेशियों को स्ट्रेच करके कब्ज और अपच से राहत दिलाता है। इसे करने के लिए सीधे खड़े होकर अपने शरीर को आगे की ओर झुकाएं और अपने हाथों से पैरों को छुएं। यह आसन पेट के अंगों को सक्रिय करके पाचन तंत्र में सुधार लाता है।

नियमित पानी पिएं और फाइबर युक्त आहार लें

योगासन के साथ, दिनभर पर्याप्त पानी पीना और फाइबर युक्त आहार लेना भी पेट साफ रखने में सहायक होता है। फाइबर युक्त आहार जैसे हरी सब्जियाँ, फल, और साबुत अनाज आपके पाचन तंत्र को मजबूत बनाते हैं।

नियमित समय पर भोजन करें

पेट को साफ रखने के लिए यह जरूरी है कि आप नियमित समय पर भोजन करें। नाश्ता, लंच और डिनर को समय पर लेना पाचन क्रिया को सही तरीके से बनाए रखने में मदद करता है।

मेडिटेशन और प्राणायाम का अभ्यास

योगासन के साथ–साथ मेडिटेशन और प्राणायाम भी पेट से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में सहायक हो सकते हैं। इनसे मानसिक तनाव कम होता है, जो पाचन तंत्र पर सकारात्मक असर डालता है। इन योगासनों को अपनी दिनचर्या में शामिल करके आप न केवल कब्ज और गैस की समस्या से छुटकारा पा सकते हैं, बल्कि अपनी गट हेल्थ को भी बेहतर बना सकते हैं। नियमित रूप से इन योगासनों का अभ्यास करने से पाचन तंत्र मजबूत होता है और पेट की समस्याओं से मुक्ति मिलती है।

आंखों के नीचे काले घेरे क्यों होते हैं? जानिए बचाव के तरीके

आंखों के नीचे काले घेरे या डार्क सर्कल्स एक आम समस्या है, जो न केवल आपकी खूबसूरती को प्रभावित करते हैं, बल्कि थकान और तनाव का संकेत भी होते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं जैसे नींद की कमी, तनाव, उम्र बढ़ना, आनुवांशिक प्रभाव, या लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठना। हालांकि, कुछ आसान घरेलू नुस्खों का प्रयोग कर आप इन काले घेरों को हल्का कर सकते हैं और अपनी त्वचा को फिर से चमकदार बना सकते हैं।

काले घेरों को हल्का करने के घरेलू नुस्खे

अगर आप आंखों के नीचे के काले घेरे से परेशान हैं, तो नीचे दिए गए नुस्खे आपके लिए मददगार साबित हो सकते हैं।

खीरा

खीरे में त्वचा को ठंडक और आराम देने वाले गुण होते हैं। एक खीरे को पतले स्लाइस में काट लें और इन्हें 10–15 मिनट तक फ्रिज में रखें। ठंडे स्लाइस को अपनी आंखों के ऊपर रखें और 10–15 मिनट तक आराम से बैठें। रोजाना इस प्रक्रिया को दोहराने से आपको जल्दी असर दिखेगा।

आलू का रस

आलू में ब्लीचिंग गुण होते हैं, जो काले घेरों को हल्का कर सकते हैं। एक कच्चे आलू को कद्दूकस करें और उसका रस निकाल लें। कॉटन बॉल की मदद से इस रस को आंखों के नीचे लगाएं और 10–15 मिनट के लिए छोड़ दें। ठंडे पानी से धो लें और इसे नियमित रूप से करें।

टी बैग्स

टी बैग्स में टैनिन्स होते हैं, जो आंखों के आसपास सूजन और काले घेरों को कम करने में मदद करते हैं। उपयोग किए गए टी बैग्स को फ्रिज में ठंडा करें। ठंडे टी बैग्स को आंखों के ऊपर 10–15 मिनट के लिए रखें। इससे न केवल काले घेरे हल्के होंगे, बल्कि आंखों को ठंडक भी मिलेगी।

गुलाब जल

गुलाब जल त्वचा को ठंडक और ताजगी प्रदान करता है। कॉटन बॉल को गुलाब जल में भिगोकर आंखों के नीचे लगाएं। 10–15 मिनट के बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें। रोज इस्तेमाल से काले घेरे कम हो सकते हैं।

बादाम का तेल

बादाम के तेल में विटामिन ई होता है, जो त्वचा को पोषण देने के साथ काले घेरों को हल्का करता है। हर रात सोने से पहले आंखों के नीचे हल्के हाथों से बादाम का तेल लगाएं और धीरे–धीरे मालिश करें। सुबह चेहरे को साफ पानी से धो लें। नियमित प्रयोग से फर्क नजर आएगा।

काले घेरे होने के कारण

1. नींद की कमी पर्याप्त नींद न लेने से त्वचा की रक्त वाहिकाएं साफ दिखने लगती हैं, जिससे डार्क सर्कल्स बनते हैं।

2. तनाव अत्यधिक तनाव शरीर के हॉर्मोनल बैलेंस को बिगाड़ता है, जिसका प्रभाव त्वचा पर पड़ता है।

4. अधिक स्क्रीन टाइम लंबे समय तक टीवी, कंप्यूटर या मोबाइल स्क्रीन देखने से आंखों पर तनाव पड़ता है, जिससे काले घेरे बनते हैं।

5. शरीर में पानी की कमी हाइड्रेशन की कमी से त्वचा रूखी हो जाती है और काले घेरे अधिक स्पष्ट दिखने लगते हैं।

काले घेरों से बचने के उपाय

1. पर्याप्त नींद लें हर दिन 7–8 घंटे की पर्याप्त नींद लें, ताकि आंखों के आसपास की त्वचा को आराम मिले।

2. हाइड्रेट रहें दिन में पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं ताकि त्वचा नमी से भरपूर रहे।

3. संतुलित आहार विटामिन सी, ई और एंटीऑक्सीडेंट युक्त आहार लें, जो त्वचा को पोषण प्रदान करता है।

4. स्क्रीन टाइम कम करें आंखों को बार–बार आराम दें और लगातार स्क्रीन देखने से बचें।

आंखों के नीचे के काले घेरे न केवल आपकी सुंदरता को प्रभावित करते हैं, बल्कि यह आपकी दिनचर्या और स्वास्थ्य का भी संकेत हो सकते हैं। ऊपर दिए गए घरेलू नुस्खे नियमित रूप से आजमाने से आपको काले घेरों में कमी महसूस होगी और त्वचा फिर से ताजगी और चमक पाने लगेगी। इसके साथ ही, स्वस्थ जीवनशैली अपनाना और पर्याप्त नींद लेना भी बेहद जरूरी है ताकि इस समस्या से हमेशा के लिए छुटकारा पाया जा सके।

इस करवा चौथ वीबी से करें प्यार तो गिफ्ट से कैसे इनकार, पत्नि को दे शानदार गिफ्ट

करवा चौथ का त्योहार आने वाला ही ऐसे में सुहागिन महिलाओं ने तैयारियां शुरु कर दी होगी। वैसे तो पति–पत्नी के रिश्ते में छोटी–छोटी बातों को ध्यान रखना जरुरी है। पति–पत्नी को एक दूसरे की खुशी के लिए कुछ न कुछ स्पेशल करते रहना चाहिए। पति चाहे सालभर में अपनी बीवी को तोहफा न दे लेकिन करवा चौथ के खास मौके पर गिफ्ट जरुर देना चाहिए। अगर आप भी कंफ्यूज है कि पत्नी को गिफ्ट में क्या दें, तो हम इस आर्टिकल में आपको बताएंगे कुछ बेस्ट गिफ्ट आईडियाज जो आपकी पत्नी देखकर खुश हो जाएगी।

जूलरी गिफ्ट करें

इस करवा चौथ अपनी पत्नी को जूलरी गिफ्ट करें। हर महिला को गहने पहनने का काफी शौक होता है। महिलाओं को शौक होता है अलग–अलग तरह के गहने पहनने का, ऐसे में करवाचौथ पर आप उन्हें गोल्ड, चांदी या फिर डायमंड की जूलरी गिफ्ट कर सकते हैं।

फिटनेस वॉच

अगर आपकी वाइफ ने हाल में फिटनेस जर्नी चालू की है तो उन्हें एक बेहतरीन फिटनेस वॉच दे सकते हैं। यह गिफ्ट उनके काफी काम आने वाला है। बाजार में कई तरह की

फिटनेस वॉच मिल जाएगी, अगर आप चाहें तो ऑनलाइन भी खरीद सकते हैं।

प्रीमियम मेकअप प्रोडरक्ट : सोलह श्रृंगार महिलाओं का गहना होता है। ऐसे में आप अपनी वाइफ को कुछ प्रीमियम मेकअप प्रोडक्ट दे सकते हैं। आपकी पत्नि की विशलिस्ट की गई कोई आईटम गिफ्ट में दे सकते हैं।

नया फोन : आप करवा चौथ पर न्यूली लॉन्च फोन भी गिफ्ट कर सकते हैं। इसे देखकर यकीनन उनके चेहरे पर मुस्कान आ ही जाएगी।

संक्षिप्त

विलय के बाद भी विस्तारा के विमान, चालक दल के सदस्य और सेवाएं बनी रहेंगी : एयर इंडिया

नयी दिल्ली। एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने कहा कि अगले महीने विलय के बाद 'विस्तारा' के विमानों से संचालित उड़ानों के नंबरों की शुरुआत 'एआई2' से होगी। कंपनी ने कहा कि विस्तारा के विमान, चालक दल और सेवाएं पहले की तरह ही परिचालन में बनी रहेंगी। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने जोर दिया कि विलय के बाद भी विस्तारा का अनुभव बरकरार रहेगा। टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस के संयुक्त उपक्रम विस्तारा का एयर इंडिया से विलय 12 नवंबर को होगा। यह एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ एआईएक्स कनेक्ट के विलय के बाद भारतीय विमानन क्षेत्र में एक बड़ा सौदा होगा। कुछ लोगों में इस बात को लेकर चिंता है कि क्या विस्तारा के यात्रियों को विलय के बाद भी अभी जैसी ही सेवाएं मिलती रहेंगी, क्योंकि परिवर्तन के दौर से गुजर रही एयर इंडिया को हाल के दिनों में कुछ सेवा संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि एयर इंडिया और विस्तारा की टीमें यह सुनिश्चित करने के लिए एक साल से अधिक समय से कड़ी मेहनत कर रही हैं कि इनका विलय ग्राहकों और कर्मचारियों दोनों के लिए सहज हो। प्रवक्ता ने बयान में कहा, "हालांकि, कानूनी संस्थाएं और हवाई परिचालन प्रमाण–पत्र 12 नवंबर को एक हो जाएंगे, लेकिन विस्तारा का अनुभव बना रहेगा।" उन्होंने कहा, "विस्तारा विमान, चालक दल और सेवाएं पहले की तरह संचालित होती रहेंगी, लेकिन एआई2एक्सएक्सएक्स उड़ान संख्या एयरइंडिया.कॉम के माध्यम से बुक की जा सकेंगी।

बेंगलुरु को प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में विकसित करने में सिंगापुर प्रमुख हितधारकों में : अधिकारी

सिंगापुर। कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), जैव प्रौद्योगिकी और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव एकरूप कौर ने कहा है कि पिछले 30 वर्षों में वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में बेंगलुरु के विकास में सिंगापुर प्रमुख हितधारकों में से एक रहा है। कौर ने कहा, "लगभग 30 वर्ष पहले बेंगलुरु में प्रौद्योगिकी क्रांति की शुरुआत से ही हमारा सिंगापुर के साथ बहुत गहरा संबंध रहा है।" कौर ने मंगलवार को यहां बेंगलुरु प्रौद्योगिकी सम्मेलन–2024 के 'रोड शो' में कहा कि सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत कर्नाटक के सबसे बड़े साझेदारों में सिंगापुर की कंपनी कैपिटलैंड शामिल है और यह अग्रणी प्रौद्योगिकी अवसंरचना साझेदारियों में से एक बनी हुई है। कौर ने कहा, "हम स्वाभाविक सहयोगी हैं और हम सिंगापुर के माध्यम से बेंगलुरु में व्यापार वृद्धि को गति दे सकते हैं।" कौर सिंगापुर से सबसे बड़ी प्रतिनिधिमंडल–कंपनी भागीदारी में से एक हासिल करने पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सिंगापुर, वैश्विक कंपनियों का एक समूह होने के नाते, दुनिया भर के निगमों के साथ और अधिक जुड़ सकता है। उन्होंने कहा कि सिंगापुर वैश्विक कंपनियों का एक समूह है, जो दुनिया भर के निगमों के साथ और अधिक जुड़ सकता है। इसके अलावा, उन्होंने वैश्विक स्तर पर भारतीय प्रतिभाओं की गतिशीलता के साथ–साथ भारतीय मूल के स्टार्टअप्स के अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए स्वदेश, विशेष रूप से बेंगलुरु लौटने पर भी गौर किया। कौर ने कहा, "हमारा यह मूल वाक्य है– 'स्थानीय स्तर पर कौशल प्राप्त करें, वैश्विक स्तर पर काम करें' – और हमारे पास वैश्विक आवश्यकताओं की पूर्ति करने की इच्छा है।" उन्होंने कहा, "भारत में अपनी प्रतिभा के साथ वैश्विक आवश्यकताओं को पूरा करने की इच्छाशक्ति है।

रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश सितंबर तिमाही में 45 प्रतिशत बढ़कर 1.15 अरब डॉलर : कोलियर्स

नयी दिल्ली । जुलाई–सितंबर तिमाही में रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश 45 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.15 अरब डॉलर हो गया है। रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी कोलियर्स इंडिया द्वारा हाल ही में जारी आंकड़ों के अनुसार, निवेशक प्रीमियम घरों और कार्यालयों की मजबूत मांग को भुनाने की कोशिश कर रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, जुलाई–सितंबर के दौरान रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश 114.87 करोड़ डॉलर रहा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 79.34 करोड़ डॉलर था। कंपनी ने बताया कि कुल रियल एस्टेट बाजार में विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में से कार्यालय खंड ने इस साल की तीसरी तिमाही के दौरान 61.63 करोड़ डॉलर का कारोबार आकर्षित किया, जो कि एक वर्ष पूर्व की समान तिमाही के 7.91 करोड़ डॉलर से सात गुना अधिक है। आवासीय क्षेत्र में कोविड महामारी के बाद मांग में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इसमें निवेश में 40 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो 27.46 करोड़ डॉलर से बढ़कर 38.48 करोड़ डॉलर हो गया। औद्योगिक और भंडारण क्षेत्र में कोष प्रवाह में 72 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। यह पिछले साल की सितंबर तिमाही के 34.03 करोड़ डॉलर से घटकर इस साल समान तिमाही में 9.52 करोड़ डॉलर रह गया। मिश्रित उपयोग परियोजनाओं में निवेश 2.72 करोड़ डॉलर से लगभग दोगुना होकर 5.24 करोड़ डॉलर हो गया। वैकल्पिक परिसंपत्तियों को जुलाई–सितंबर तिमाही में कोई वित्त पोषण प्राप्त नहीं हुआ, जबकि एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में 7.22 करोड़ डॉलर प्राप्त हुआ था। इस श्रेणी में डेटा सेंटर, जीवन विज्ञान, अवकाश गृह, छात्रावास और स्कूल आदि आते हैं। कोलियर्स ने कहा कि कुल मिलाकर घरेलू निवेश 50 करोड़ डॉलर पर मजबूत रहा, जो जुलाई–सितंबर तिमाही के दौरान कुल प्रवाह का 44 प्रतिशत है। कोलियर्स इंडिया के प्रबंध निदेशक (पूंजी बाजार एवं निवेश सेवा) पियूष गुप्ता ने कहा, "भारतीय रियल्टी में संस्थागत प्रवाह निरंतर बना हुआ है, जो निवेशकों के निरंतर विश्वास को दर्शाता है। निवेशक वैश्विक और घरेलू पूंजी के बीच अच्छी तरह से विविधतापूर्ण हैं। जबकि कार्यालय परिसंपत्तियों पर मुख्य ध्यान दिया गया है, औद्योगिक और भंडारण और आवासीय क्षेत्रों में महत्वपूर्ण गति प्राप्त हो रही है।

टिम साउदी ने भारत दौरे से पहले न्यूजीलैंड की कप्तानी छोड़ी, लैथम संभालेंगे कमान

भारत के खिलाफ इस महीने होने वाली तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले टिम साउदी ने न्यूजीलैंड की कप्तानी छोड़ दी है और इस अनुभवी तेज गेंदबाज की जगह शीर्ष क्रम के बल्लेबाज टॉम लैथम को कप्तान नियुक्त किया गया है। साउदी ने 14 टेस्ट मैचों में न्यूजीलैंड की कप्तानी की।

ऑकलैंड। टिम साउदी ने भारत के खिलाफ इस महीने होने वाली तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले न्यूजीलैंड की कप्तानी छोड़ दी है और इस अनुभवी तेज गेंदबाज की जगह शीर्ष क्रम के बल्लेबाज टॉम लैथम को कप्तान नियुक्त किया गया है। साउदी ने 14 टेस्ट मैचों में न्यूजीलैंड की कप्तानी की, जिसमें कीवी टीम ने छह जीते, छह हारे और दो मैच ड्रॉ खेले। साउदी ने न्यूजीलैंड क्रिकेट के बयान में कहा, ''मैंने अपने पूरे करियर में हमेशा टीम को प्राथमिकता दी और मुझे लगता है कि मेरा यह फैसला टीम के हित में है।'' उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करके, अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके, विकेट लेना जारी रखकर और न्यूजीलैंड की जीत में योगदान देकर मैं टीम के लिए सबसे अच्छी सेवा कर सकता हूं।'' इस 35 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अब तक 102 टेस्ट, 161 वनडे और 126 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 382 विकेट लिए हैं और न्यूजीलैंड की तरफ से सर्वाधिक विकेट हासिल करने वाले गेंदबाजों में महान रिचर्ड हैडली (431) के बाद दूसरे स्थान पर हैं। साउदी ने कहा, ''मैंने हमेशा अपने साथी खिलाड़ियों का समर्थन किया है और मैं टॉम को इस भूमिका के लिए शुभकामनाएं देता हूं। वह जानता है कि उसका साथ देने के लिए मैं हमेशा मौजूद रहूंगा जैसा कि वह वर्षों से मेरे लिए करता रहा है।'' न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा कि

साउदी ने टीम के हित में यह फैसला लिया है। उन्होंने कहा, ''टिम एक शानदार खिलाड़ी और बहुत अच्छे नेतृत्वकर्ता हैं और टीम में उनका सभी खिलाड़ी बहुत सम्मान करते हैं। आप जिस चीज से प्यार करते हैं उसे छोड़ना आसान नहीं होता है लेकिन टिम ने टीम के हित को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया। वह हमारे महान खिलाड़ियों में से एक हैं और आगे भी अपना महत्वपूर्ण योगदान देते रहेंगे।'' केन विलियमसन के दिसंबर 2022 में पद से हटने के बाद साउदी ने न्यूजीलैंड के कप्तान का पद संभाला था। न्यूजीलैंड को हाल में श्रीलंका दौरे में दोनों टेस्ट मैच में हर का सामना करना पड़ा था जबकि अफगानिस्तान के खिलाफ नोएडा में उसका एकमात्र टेस्ट बारिश की भेंट चढ़ गया था। न्यूजीलैंड अब भारत के खिलाफ तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलेगा जिसका पहला मैच 16 अक्टूबर से बेंगलुरु में शुरू होगा।

बाबर आजम ने छोड़ी पाकिस्तान वनडे और टी20 की कप्तानी, खुद बताई ये वजह

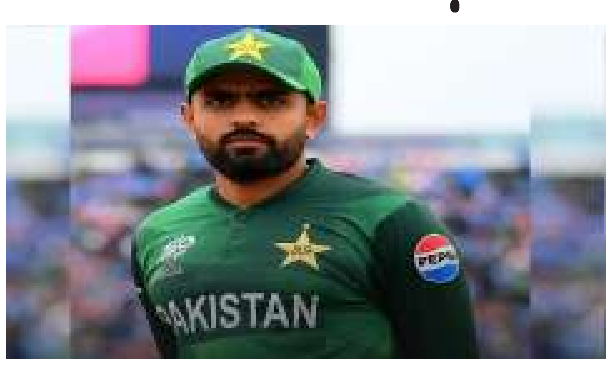

अब बाबर आजम ने पाकिस्तान की वनडे और टी20 टीम की कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। बाबर आजम ने देर रात की गई एक पोस्ट के जरिए अपने फैंस को इसकी जानकारी दी।

पाकिस्तान क्रिकेट में आए दिन कुछ न कुछ होता ही रहता है। फिर चाहे खिलाड़ियों के आपस में मनमुटाव की खबरें हो या पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की तरफ से कोच और स्टाफ को बदलने की खबरें। वहीं अब बाबर आजम ने पाकिस्तान की वनडे और टी20 टीम की कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। बाबर आजम ने पहले भी ऐसा किया था, उन्होंने वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद भी ऐसा ही कुछ किया था लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने उनको फिर से कप्तानी की जिम्मेदारी सौंप दी थी, लेकिन एक बार फिर से उन्होंने इस्तीफा देकर सभी को चौंका दिया है। इस बार उन्होंने इस्तीफा देने के पीछे अपनी खराब परफॉरमेंस को जिम्मेदार बताया है। साथ ही कहा है कि वह अपनी बल्लेबाजी पर फोकस करना चाहते हैं। बाबर आजम ने देर रात की गई एक पोस्ट के जरिए अपने फैंस को इसकी जानकारी दी। उन्होंने एक्स पर लिखा कि, प्रिय फैंस, मैं आज आपके साथ कुछ समाचार शेयर कर रहा हूं। मैंने पिछले महीने पीसीबी और टीम प्रबंधन को दी गई सूचना के अनुसार पाकिस्तान पुरुष टीम के कप्तान के पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है।

इस टीम का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है, लेकिन अब समय आ गया है कि मैं पद छोड़ दूं और अपनी खेल भूमिका पर ध्यान केंद्रित करूं। बाबर ने आगे लिखा कि, कप्तानी एक बेहतरीन अनुभव रहा है, लेकिन इसमें काम का बोझ भी बढ़ा दिया है। मैं अपने प्रदर्शन को प्राथमिकता देना चाहता हूं, अपनी बल्लेबाजी का आनंद लेना चाहता हूं और अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताना चाहता हूं, जिससे मुझे खुशी मिलती है। पद छोड़ने से मुझे आगे बढ़ने में स्पष्टता मिलेगी और मैं अपने खेल और व्यक्तिगत विकास पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर पाउंगा। मैं आपके अटूट समर्थन और मुझ पर विश्वास के लिए आभारी हूं। आपका उत्साह मेरे लिए बहुत मायने रखात है।

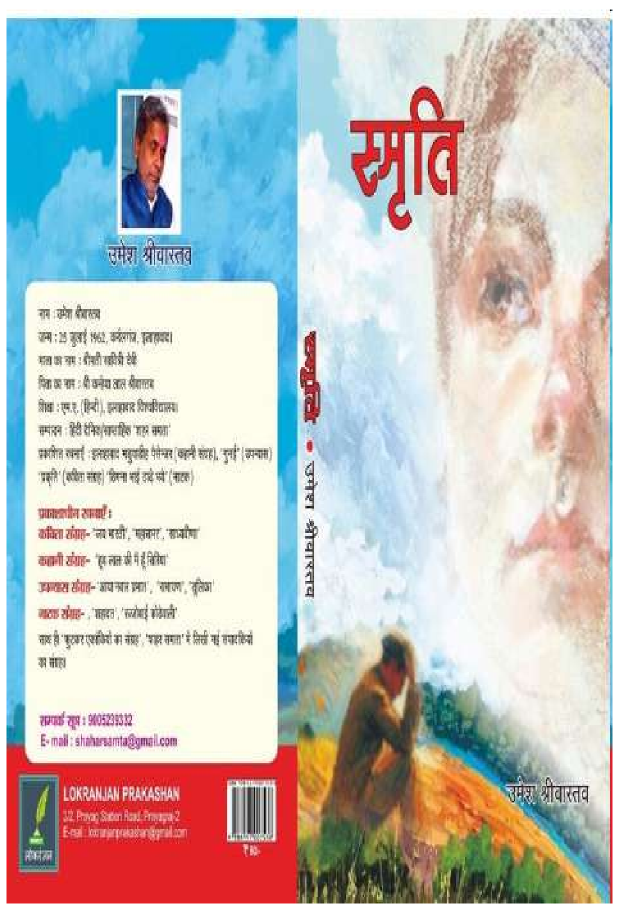

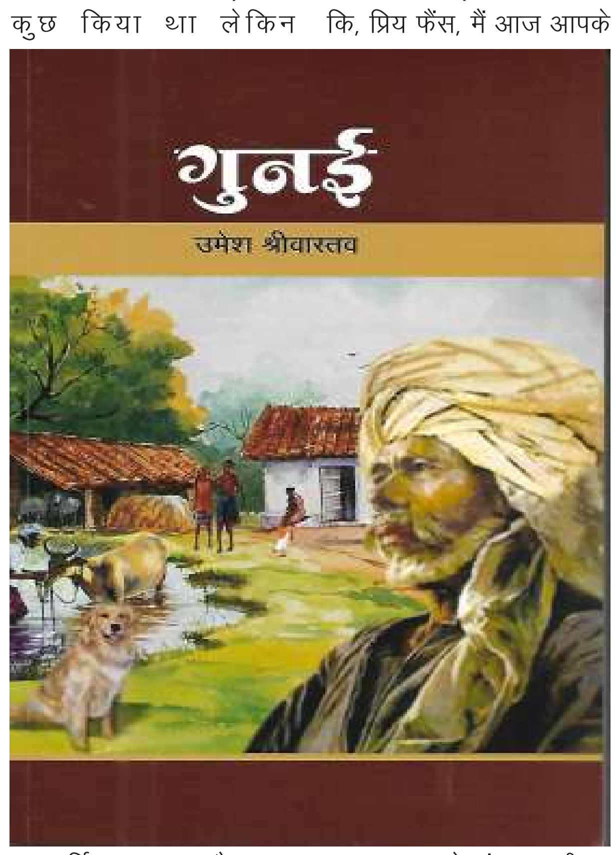

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

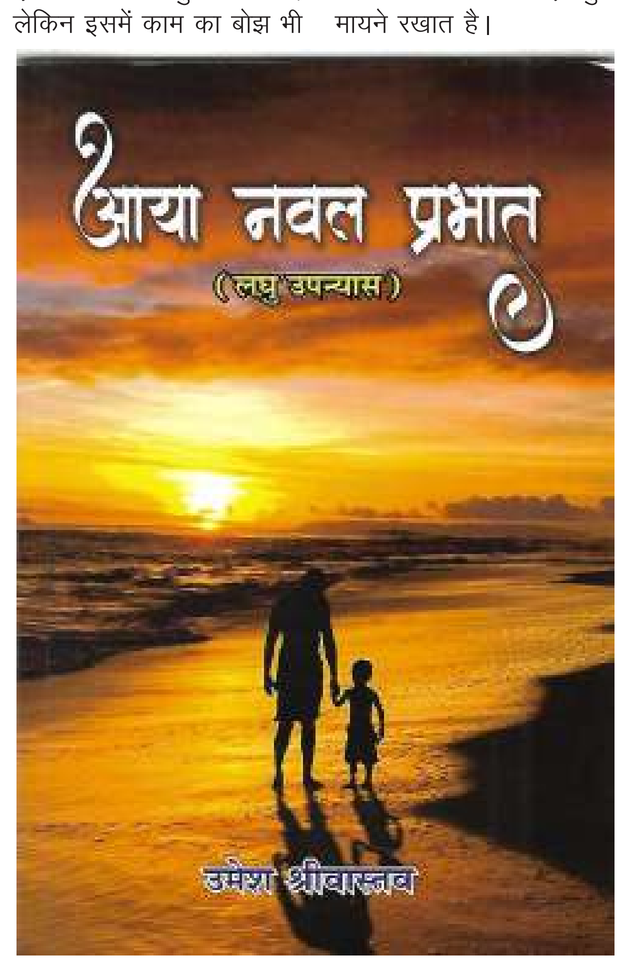

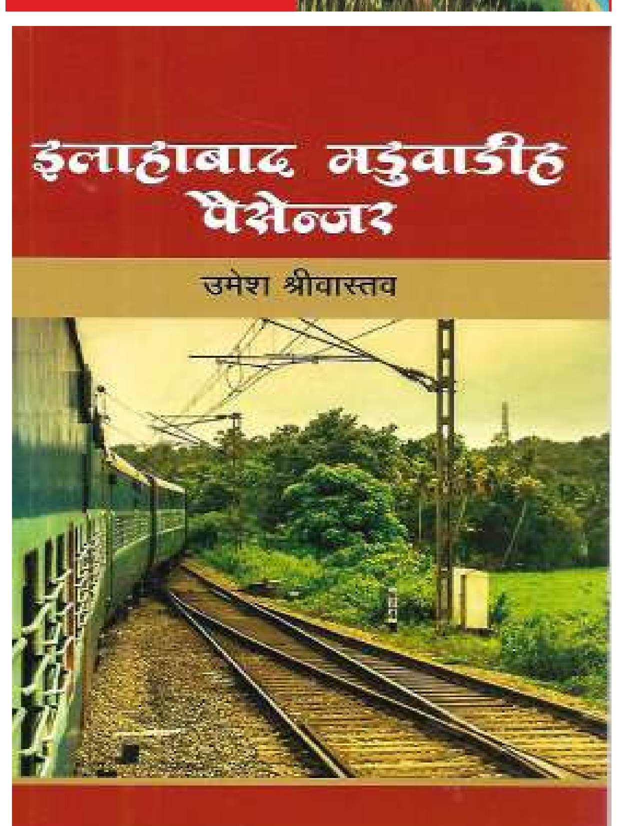

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

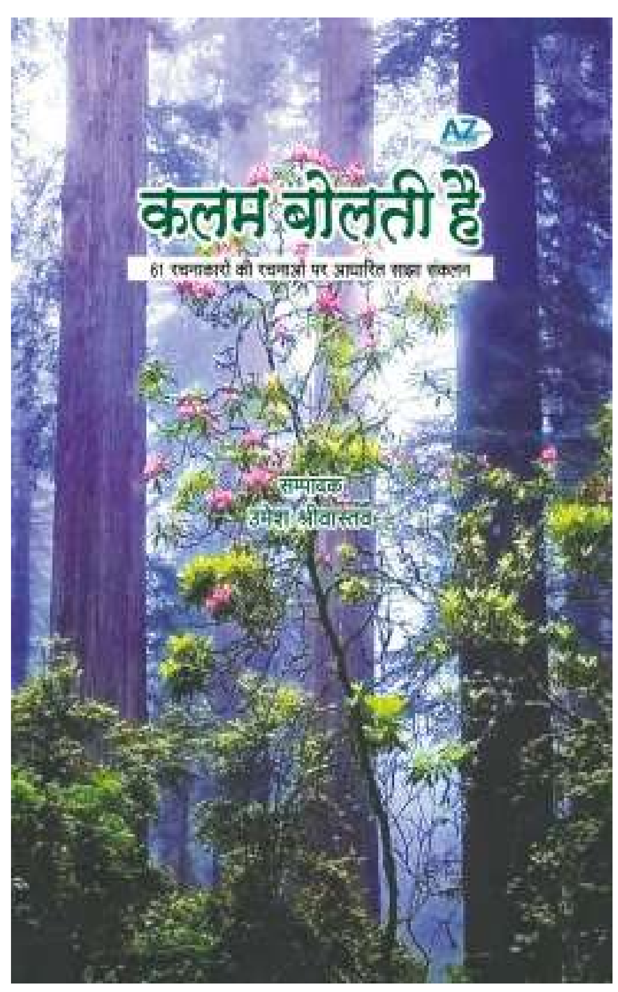

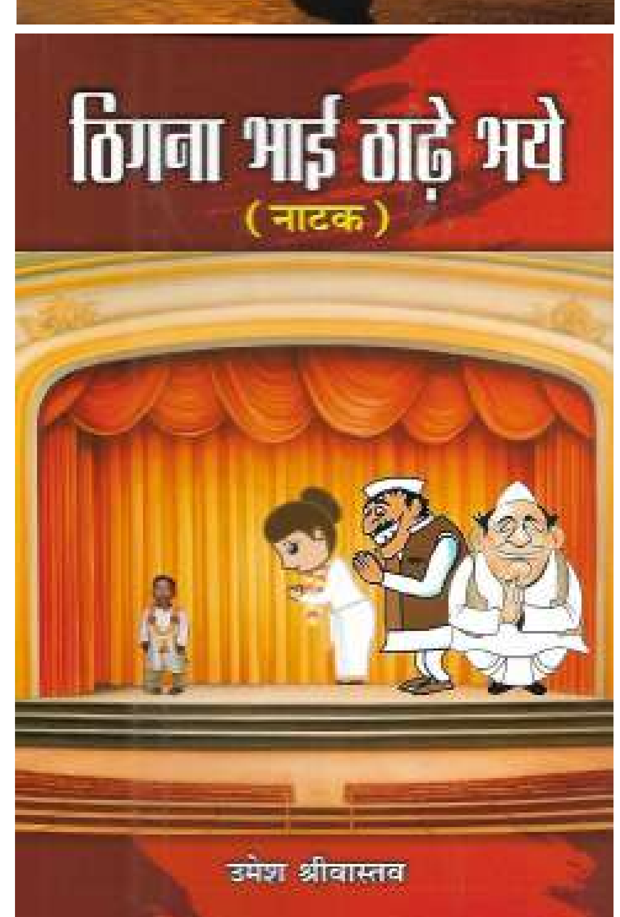

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

मोसाद के हेडक्वार्टर को ईरान ने कर दिया तबाह? नसरल्लाह की हत्या में इस्तेमाल हुए हवाई अड्डे को उड़ाया

ईरान के हमले में मोसाद को टारगेट किया गया है। इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद जो कि दुनियाभर में इजरायल के दुश्मनों को टारगेट करने के लिए जानी जाती है। उसके हेडक्वार्टर पर ईरान ने अटैक किया है। मोसाद के हेडक्वार्टर को तबाह करने का दावा ईरान कर रहा है। इजरायल हालांकि इन खबरों से इनकार कर रहा है। तेल अवीव में ये मिसाइल अटैक हुआ है। हमास चीफ इस्माइल हानिया हो या हिजबुल्लाह के चीफ हसन नसरल्लाह दोनों की मौत के पीछे की अहम वजह मोसाद को माना जाता है। मोसाद को इंफॉर्मेशन वॉर का सबसे बड़ा खिलाड़ी माना जाता है। उसके हेडक्वार्टर को टारगेट करने का दावा ईरान

की तरफ से किया जा रहा है। अगर ऐसा सच है तो इजरायल के अस्तित्व के समय से यानी 1948 के बाद से शायद ये पहली बार ऐसा हुआ है कि किसी दुश्मन देश ने मोसाद के हेडक्वार्टर पर हमला किया हो। मोसाद के हेडक्वार्टर की लोकेशन तो मालूम है। गूगल में सर्च करने पर भी ये नजर आ जाएगी। इसके अलावा मोसाद के हेडक्वार्टर में इतने सारे फिलिस्तीनी लोगों का इंटोरोगेशन हुआ है। ऐसे में ईरान ने मोसाद को टारगेट कर मनोवैज्ञानिक बढ़त लेने की कोशिश की है। साथ ही ये बताने की भी कोशिश की है कि चाहे मोसाद हो या उनका बेस जहां एफ–35 विमान खड़े रहते हैं वहां हमले का दावा किया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में नेतन्याहू ने कहा था कि ईरान का कोई भी इलाका हमारी जद से बाहर नहीं है। ईरान ने ये बता दिया कि इजरायल के ठिकाने ईरान की जद से बाहर नहीं हैं। कुल मिलाकर कहे तो ये वार ऐसी स्थिति में आ गई है कि दोनों ही एक दूसरे के इंस्टॉलेशन के बारे में जानते हैं। एक दूसरे पर अंतिम सीमा तक वॉर कर सकते हैं। इसके साथ ही ईरानी टीवी ने दावा किया है कि रिव्यिल्यूशनरी गार्ड्स ने हसन नसरल्लाह की हत्या के लिए इस्तेमाल किए गए हत्जेरिम हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया है। ईरान एक एक करके उन सभी जगहों को निशाना बनाने की कोशिश कर रहा है और इसी कड़ी में इस हवाई अड्डे को निशाना बनाया गया है। ईरानी मीडिया की ओर से ये दावा किया जा रहा है। हसन नसरल्लाह की हत्या में हवाई अड्डे का इस्तेमाल हुआ था। वहीं ईरान द्वारा इजरायल पर अटैक के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन कई अहम बैठकें कर चुके हैं। अमेरिका ने साफ कहा है कि इजरायल की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। इजरायल पर मिसाइल अटैक के बाद राष्ट्रपति जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने व्हाइट हाउस सिचुएशन रूम में राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ दो बैठक की। इन बैठकों में मीडिल ईस्ट के मुद्दे पर चर्चा की है।

संक्षिप्त

ईरान–इजरायल युद्ध के बीच यूएन सिक्योरिटी काउन्सिल में इमरजेंसी बैठक

मिडिल ईस्ट में हर दिन हालत बेहद खराब होते जा रहे हैं। इसी बीच ईरान ने इजराइल पर दो मिसाइल बुधवार को दाग दी है। इस हमले को हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह और हमास चीफ इस्माइल हिनियेह की हत्या का इंतकाम ईरान ने बताया है। ईरान ने चेतावनी देते हुए कहा की आगे भी ऐसे हमले होने जारी रहेंगे। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर का कहना है कि अगर इसराइल ने इन हमलों का जवाब

दिया तो उसे और भी बुरी तरह से कुचला जाएगा। इसी बीच इसराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इराक को अपनी हरकत के लिए जवाब देना होगा। तेल अवीव पर हमला कर एक बड़ी गलती हुई है। इजरायल भी अब ईरान के हमले का कड़ा जवाब देगा। बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि जिन्होंने हम पर हमला किया है हम भी उन पर वार जरूर करेंगे। उन्होंने कहा कि ईरान को भी भेज बुला और हमास जैसी ही स्थिति से गुजरना होगा। मिडिल ईस्ट में हर दिन हालत बेहद खराब होते जा रहे हैं। इसी बीच ईरान ने इजराइल पर दो मिसाइल बुधवार को दाग दी है। इस हमले को हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह और हमास चीफ इस्माइल हिनियेह की हत्या का इंतकाम ईरान ने बताया है। ईरान ने चेतावनी देते हुए कहा की आगे भी ऐसे हमले होने जारी रहेंगे। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर का कहना है कि अगर इसराइल ने इन हमलों का जवाब दिया तो उसे और भी बुरी तरह से कुचला जाएगा। इसी बीच इसराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इराक को अपनी हरकत के लिए जवाब देना होगा। तेल अवीव पर हमला कर एक बड़ी गलती हुई है। इजरायल भी अब ईरान के हमले का कड़ा जवाब देगा। बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि जिन्होंने हम पर हमला किया है हम भी उन पर वार जरूर करेंगे। उन्होंने कहा कि ईरान को भी भेज बुला और हमास जैसी ही स्थिति से गुजरना होगा।

हेलेन तूफान से मरने वालों की संख्या 150 के पार पहुंची

अमेरिका के दक्षिण कैरोलिना राज्य के गवर्नर हेनरी मैकमास्टर ने मंगलवार को बताया कि 'हेलेन' तूफान से राज्य में 36 लोगों की मौत हुई है जिससे देश में इस प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 152 हो गई है। मैकमास्टर ने दक्षिण कैरोलिना के वेस्ट कोलंबिया में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान तीन और मौतों की घोषणा की। तूफान ने बृहस्पतिवार को फ्लोरिडा के तट से टकराने के बाद दक्षिण–पूर्व में भारी तबाही मचाई। लगभग आधी मौतें उत्तरी कैरोलिना में

हुईं, जबकि दर्जनों अन्य दक्षिण कैरोलिना और जॉर्जिया में मारे गए हैं। जॉर्जिया के गवर्नर ब्रायन केम्प ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि राज्य में मृतकों की संख्या 17 से बढ़कर 25 हो गयी है। एशविले में 30 लोगों के मारे जाने की आशंका है। राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि वह रालेघ जाएंगे तथा एशविले का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी ''जल्द से जल्द'' जॉर्जिया और फ्लोरिडा में तूफान से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने की योजना है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तूफान हेलेन से मची व्यापक तबाही से निपटने के तरीके को लेकर बाइडन प्रशासन की आलोचना की है।

नेपाल में बाढ़, भूस्खलन के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 241 हुई

नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने मंगलवार को कहा कि बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 241 हो गई। ओली ने सिंह दरबार में एक संवाददाता सम्मेलन में स्वीकार किया कि खोज एवं बचाव अभियान चलाने में सरकार की ओर से देरी हुई है। उन्होंने सभी से राहत एवं पुनर्वास कार्यों के लिए सरकार के प्रयासों का समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों से4,331लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। प्रधानमंत्री ने 48 घंटे की लगातार बारिश के बाद शनिवार को देश में आई अकल्पनीय आपदा के कारण बचाव और खोज अभियान में कमियों को दुरुस्त करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। मुख्य सचिव एकनारायण आर्यल ने बताया कि विनाशकारी भूस्खलन और बाढ़ के कारण देश को लगभग 17 अरब रुपये का नुकसान हुआ है, जिसमें 241 लोगों की जान चली गई। उन्होंने कहा कि कम से कम 29 लोग लापता हैं और 126 घायल हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

भारत–अमेरिका क्षेत्रीय, वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए काम कर रहे हैं : ब्लिंकन

वाशिंगटन। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनके अमेरिकी समकक्ष एंटनी ब्लिंकन ने वाशिंगटन में मुलाकात की और क्षेत्रीय एवं वैश्विक चुनौतियों से मिलकर निपटने पर चर्चा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनने के बाद जयशंकर पहली बार अमेरिका की राजधानी की यात्रा पर हैं। उन्होंने मंगलवार को अमेरिकी विदेश मंत्रालय के मुख्यालय 'फॉगी बॉटम' में ब्लिंकन से मुलाकात की। ब्लिंकन ने बैठक के बाद कहा, ''अमेरिका और भारत क्षेत्रीय एवं वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और मैंने जलवायु संकट पर हमारे निरंतर सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा एवं समृद्धि को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की।'' जयशंकर ने हालांकि कहा, ''वाशिंगटन में ब्लिंकन के साथ बातचीत करके बहुत खुशी हुई। हमने डेलावेयर द्विपक्षीय और क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) बैठकों पर चर्चा

की। हमारी चर्चाओं में द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करना, पश्चिम एशिया की स्थिति, भारतीय उपमहाद्वीप, हिंद–प्रशांत और यूक्रेन में हाल के घटनाक्रम शामिल थे।'' मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ हालिया द्विपक्षीय बैठक का जिक्र किया। अमेरिका के राष्ट्रपति ने 21 सितंबर को द्विपक्षीय बैठक के लिए अपने डेलावेयर निवास पर मोदी की मेजबानी की थी। बाद में वे विलमिंगटन, डेलावेयर में क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए ऑस्ट्रेलिया और जापान के नेताओं के साथ शामिल हुए थे। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर के अनुसार, जयशंकर और ब्लिंकन ने ''द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने, क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों पर निकट समन्वय करने तथा महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों पर सहयोग को आगे बढ़ाने की दिशा में अमेरिका और भारत की स्थायी प्रतिबद्धता पर चर्चा की''। मिलर ने कहा, ''ब्लिंकन ने प्रधानमंत्री मोदी की अगस्त में कीव यात्रा का उल्लेख किया और यूक्रेन के लिए न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के महत्व को दोहराया। उन्होंने कहा कि वैश्विक जलवायु संकट से निपटने के लिए स्वच्छ ऊर्जा पहल पर सहयोग बढ़ाने की योजनाओं पर भी चर्चा की गई।

इजरायल दूतावास के पास बड़ा धमाका, क्या आर–पार के मूड में आ गया ईरान

ईरान के इजरायल पर मिसाइल अटैक के बाद मीडिल ईस्ट में टेंशन गहरा गया है। वहीं डेनमार्क में इजरायली दूतावास के पास बड़ा धमाका होने की खबर सामने आई है। कोपेनहेगन में धामके की आवाज सुनी गई है। इजरायली दूतावास के पास दो धमाके हुए हैं। यानी अब ईरान और इजरायल के बीच छिड़ी जंग की आग डेनमार्क तक जा पहुंची है। हालांकि डेनमार्क में इजरायली अबेंसी के पास हुए धमाके में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। डेनमार्क पुलिस ने दोनों ब्लास्ट को लेकर कहा है कि इसकी जांच की जाएगी। इजरायल अबेंसी के बाहर हुए दो धमाकों की जांच शुरू कर दी गई है। दुनियाभर में जितने भी इजरायल के दूतावास हैं उन सभी के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। ईरान सीधे तौर पर वॉर में आ गया है। हालांकि ये हमला किसने किया है ये अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। इससे पहले तेल अवीव पर 100 से भी अधिक मिसाइलें दाग कर ईरान ने साफ कर दिया कि हमने हानिया और नसरल्लाह की मौत का बदला ले लिया है। वहीं इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ किया है कि ईरान को हम सबक सिखाएंगे। इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल पर ईरान का मिसाइल हमला विफल रहा और जवाबी कार्रवाई की कसम खाई। उन्होंने कहा ईरान को जल्द ही एक दर्दनाक सबक मिलेगा जैसा गाजा, लेबनान और अन्य स्थानों पर दुश्मनों को मिला है। उन्होंने कहा कि जो भी हम पर हमला करता है। हम उन पर हमला करते हैं। ईरान ने इजराइल पर कई मिसाइलें दागी हैं जिससे इजराइलियों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी लेकिन ईरान में जश्न मनाया गया। आईडीएफ ने साफ कर दिया है कि हमले का टाइम और जगह हम निर्धारित करेंगे। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि इजरायल की तरफ से पलटवार कब और कैसे किया जाता है। हमले से कुछ घंटे पहले अमेरिका ने सचेत किया था। हमले को लेकर अमेरिका की तरफ से इजरायल को चेतवनी जारी की गई थी। बाइडन ने ईरान के मिसाइल हमले को नाकाम करने के लिए अमेरिका तथा इजराइल की सेनाओं की भी प्रशंसा की। बाइडन ने व्हाइट हाउस के अधिकारियों के साथ एक बैठक की शुरुआत में मंगलवार को कहा, ''भूल में न रहें, अमेरिका पूरी, पूरी तरह इजराइल के साथ है।

ये छह राज्य तय करेंगे कौन बनेगा अमेरिका का राष्ट्रपति? ट्रंप और हैरिस कर कर रहे कड़ी मेहनत

वॉशिंगटन। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में, रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से कमला हैरिस मैदान में हैं। दोनों के बीच कड़ा मुकाबला है। हालांकि, इनकी किस्मत कुछ महत्वपूर्ण राज्यों के हाथ में हैं।

क्या है अमेरिका में राष्ट्रपति चुनने का तरीका?

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में पूरे देश में सबसे ज्यादा वोट हासिल करने वाला उम्मीदवार विजेता नहीं होता। इसके बजाय दोनों पार्टियों के उम्मीदवार को पूरे 50 राज्यों में होने वाले चुनावों को जीतने के लिए प्रतिस्पर्द्धा करनी पड़ती है। हरेक प्रांत में आंशिक तौर पर जनसंख्या पर आधारित कथित इलेक्टोरल कॉलेजों की एक निश्चित संख्या होती है। इस तरह 538 इलेक्टोरल कॉलेज होते हैं। इनमें से 270 या इनसे अधिक में जीतने वाला ही विजेता होता है। केवल दो को छोड़ कर सभी राज्यों में जो भी उम्मीदवार सबसे ज्यादा वोट हासिल करता है उसे ही इलेक्टोरल कॉलेज के सभी वोट दे दिए जाते हैं। ज्यादातर राज्य एक या दूसरी पार्टी की ओर काफी ज्यादा झुके होते हैं। इसलिए उम्मीदवार लगभग उन एक दर्जन के राज्यों पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं जहां उनके जीतने की संभावना होती है। इन्हें बैटलग्राउंड या स्विंग स्टेट कहते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर कोई उम्मीदवार सबसे ज्यादा वोट हासिल कर सकता है। जैसे हिलेरी क्लिंटन ने 2016 में राष्ट्रीय स्तर पर सबसे ज्यादा वोट हासिल किए थे। लेकिन इलेक्टोरल कॉलेज के चुनावों में वो हार गई थीं।

1. पेंसिल्वेनिया

यहां 19 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हैं। पेंसिल्वेनिया को यूं तो एक मजबूत डेमोक्रिटक गढ़ माना जाता है लेकिन हाल के कुछ सालों में ये रंग बदलता दिख रहा है। स्विंग स्टेट में यह काफी बड़ा राज्य है। वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन यहीं से हैं। पिछली बार यानी साल 202 में यहां पर बाइडन को 1 |2 फीसदी के अंतर से जीत हासिल हुई थी। 1.3 करोड़ आबादी वाले राज्य में ट्रंप को 2016 में जीत हासिल हुई थी। फिलाडेल्फिया और पिट्सबर्ग जैसे रस्ट बेल्ट शहरों के लिए जाना जाने वाला पेंसिल्वेनिया दशकों से अपने औद्योगिक विनिर्माण आधार में लगातार गिरावट से परेशान है। ट्रंप और हैरिस ने पूर्वी राज्य में बार–बार प्रचार किया है। पूर्व राष्ट्रपति ग्रामीण श्वेत आबादी को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं और चेतावनी दे रहे कि छोटे शहरों में प्रवासियों की संख्या बढ़ रही है। हैरिस हाल ही में बुनियादी ढांचे में मिली सफलता का बखान कर रही हैं और पिट्सबर्ग में उन्होंने विनिर्माण क्षेत्र में 100 अरब डॉलर के निवेश की योजना की रूपरेखा पेश की, जो राज्य के निवासियों के लिए एक प्रमुख मुद्दा है।

2. जॉर्जिया

जॉर्जिया में 16 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हैं। यह दक्षिण–पूर्वी राज्य डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के अंत में एक चुनावी मुद्दा था और विवाद अभी भी जारी है। साल 2020 में जो बाइडन की जीत पर ट्रंप ने चुनाव में हस्तक्षेप करने की कोशिश की थी। जॉर्जिया में अभियोजकों ने ट्रंप पर यह आरोप लगाया है। हालांकि, चुनाव तक इस मामले की सुनवाई पर रोक लगा दी गई है। जॉर्जिया को रेड स्टेट माना जाता था। 1992 में बिल क्लिंटन के बाद से किसी भी डेमोक्रेट ने जॉर्जिया में राष्ट्रपति चुनाव नहीं जीता था। लेकिन इस रिपब्लिकन बहुमत वाले स्टेट में पिछली बार जो बाइडन जीत गए थे। बाइडन को महज 0.23 फीसदी बहुमत से जीत हासिल हुई। इस राज्य में भी जनसांख्यिकीय परिवर्तन और जनसंख्या में बदलावों से डेमोक्रेट्स मजबूत होते जा रहे हैं। हालांकि इस बार कई सर्वेक्षणों में यहां पर बाइडन को पीछे और ट्रंप को आगे बताया गया था। हालांकि, अब डेमोक्रेट्स की उम्मीदवार कमला हैरिस मैदान में हैं, तो यह समीकरण बदल भी सकते है।

3. उत्तरी कैरोलिना

यहां 16 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हैं। दक्षिण पूर्वी राज्य में 1980 के बाद से केवल एक बार डेमोक्रेटिक को जीत मिली है, लेकिन हैरिस का मानना है कि अबकी बार यह राज्य उनके खाते में ही आएगा। 10 मिलियन से अधिक आबादी वाला राज्य बढ़ता जा रहा है। इससे डेमोक्रेट को लाभ पहुंच रहा है। ट्रंप के लिए मामला और भी जटिल हो गया है, क्योंकि राज्य के रिपब्लिकन गवर्नर पद के उम्मीदवार से जुड़े एक घोटाले ने पार्टी पदाधिकारियों को नाराज कर दिया है। इससे चिंता बढ़ गई है कि करीबी मुकाबले में ट्रंप को नुकसान पहुंच सकता है।

4. मिशिगन

यहां 15 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हैं। ट्रंप ने 2016 में मिशिगन में जीत दर्ज की थी। हालांकि, बाइडन ने 2020 में इस राज्य को वापस जीत लिया था। लेकिन इस बार, हैरिस को 200,000 की संख्या वाले अरब–अमेरिकी समुदाय का समर्थन खोने का खतरा है, जिसने गाजा में इस्राइल–हमास युद्ध से निपटने के लिए बाइडन की निंदा की है।

5. एरिजोना

यहां 11 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हैं। पिछले कुछ चुनावों के परिणाम से एरिजोना को एक स्विंग स्टेट माना जाने लगा है। 1952 के राष्ट्रपति चुनाव के बाद से एरिजोना रिपब्लिकन पार्टी का गढ़ माना जाने लगा था। 2020 से पहले तक सिर्फ एक बार 1996 में यहां पर डेमोक्रेटिक पार्टी की हार हुई थी। पिछली बार यहां पर जो बाइडन ने सिर्फ 10,457 वोटों से डोनाल्ड ट्रंप को हरा दिया था। ऐसा कहा जा रहा है कि अगर डेमोक्रिटक मतों में विभाजन न हुआ तो इस बार भी यहां पर डेमोक्रेटिक की जीत हो सकती है।

ईरान–इस्राइल संघर्ष पर ट्रंप का अजीबो–गरीब बयान, कहा– ये दो स्कूली बच्चों की लड़ाई है

वाशिंगटन। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को इस्राइल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष की तुलना स्कूल के मैदान में लड़ रहे दो बच्चों से की। उन्होंने कहा कि इस्राइल पर मंगलवार को हुए रॉकेट हमले जैसी घटनाएं कभी नहीं होनी चाहिए थीं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका मध्य पूर्व की स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, यह वास्तव में बहुत बुरा है, लेकिन उन्हें यह प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इसे स्कूल के मैदान में दो बच्चों के बीच लड़ाई की तरह समझें। कभी–कभी आपको इसे छोड़ देना चाहिए। हम देखेंगे कि आगे क्या होता है। उन्होंने कहा कि, लेकिन यह एक भयानक युद्ध है और आप देख सकते हैं कि आज क्या हो रहा है। आप जानते हैं, यह कहां रुकने वाला है? आप इन ताकतों को देखिए। उन्होंने आज लगभग 200 रॉकेट मार गिराए। लेकिन यह वह तरीका नहीं है जिस तरह से किसी को जीना चाहिए। इसलिए हम स्पष्ट रूप से मध्य पूर्व में जारी संघर्ष में शामिल होने जा रहे हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।